५०१०,१-[illegible] (मन्त्रराज व्याख्या)

५०.५।७-(मुक्ति महानन्द कथा)

श्रीः

Acc. No: → 50909

ॐ श्रीगुरवे शिवायेनमः ॥॥ श्रीमहाङ्गिरयेनमः ॥॥ ॐ अस्य श्रीमह
ङ्गिर मन्त्रस्य इश्वर ऋषिः ॥ वमदेव ऋषिः ॥ अनुष्टुप्छन्दः ॥ श्रीमहाङ्गिरदेवता ॥ द
वीजम् ॥ ह्रीं शक्तिः ॥ क्लीं कीलकम् ॥ मम चतुर्विध पुरुषार्थ सिद्ध्यर्थे विनियोगः
ॐ मन्त्रस्य मं श्रीम् अपरमेश्वरं गणपतिं भवदेश्वरम् ॥ भवानीश्वरम् श्रीपचरुडीप
रिपुस्कन्दि ॥ श्रीमहेश्वरम् ॥ पराशरीय महादेविन् शरहाङ्गिर भवदेमया ॥ मय
दीदिक्षय वलं वलन्त यम ॥ गङ्गाभ जलिङ्गं ममश्रीं सममदेव
म ॥ विष्णुं सिद्धिदं विमेश्वरम् भवानी ॥ भवदयं पञ्चवक्त्रं वालेन्दुमत्ति
तयेषम ॥ धनञ्जयं त्रिकुरि तुरं ममी रमभवदेको ॥ प्रतिमाशेषभवेषकं

श्री० 0

रणाकयेषम ॥ विरुधंमद्धिसठीनंविमेधद्भुरणारि श्री ॥ मयमैकहुणा
नसीमेवीचम्त्रवष्टकरीतिभ ॥ मङ्गुत्रनंमसीमेवीश्रमितयधुकमित
उंविहुंउैभवम्पृकुषयम्रममयठो ॥ श्रीठैवउवस ॥ मप्रमप्रमद
पूल्लैयाकुंदिउकश्टय ॥ उववदुझैमनिकषयभिवंमयः ॥
सेवीयहडिविद्रुभवग्ददविनमिनी ॥ भद्रिनीमवद्भउंभवपपु
भमिनी ॥ श्रीवलयहूउीवंयणाकुंदिउकं.वि श्री ॥ मैकहुणानसीमेवी
मदुसैमदुमद्रुले ॥ रणाद्रवेमदद्धिहेमदठयउपञ्जिउ ॥ पठिउय
प्रिडदेवीभवमिद्धिकरीभ्रउ ॥ विद्रुनयडभविद्रुणाविउवामिउक

ले॥ लिपिहु मकरे कहु बद्दौ मिरमिणयेग॥ अहूतेसभदाधौरैस्र

हकीतिस्त्ररभदैः॥ युदवाहुवा मिहुदेवरंहुभपत्रगः॥ सहमूपीइं

तुपाति येमाहेपीश्कयुदः॥ भइज्हाठिमयथञ्चरैतेअस्कवाडिवे॥ नि

हंणयमभ्रस्तुश्रमरहुंध्कल्पयेग॥ यैणयेहैगयञ्जभुभ्रूयबाठबह्य

स॥ णरितिवामितविहु ध्हाद्रिरमयंथिते॥ भवामिहुकीम्भतायस्तु

ह्रंभुभदविहुं॥ मिहुजमिहिमदिहं विहुयंपरामभ्मत॥ सीभठयि

॥स्री॥ रहुपे~~ रुपितिधारकुपिल्ली॥ ध्हाद्रिरमयधैकु लिपिदश्रींरसंमहा॥

॥७॥ दतिमक्तनामिसिहु~~ रमनेरञकुभनम॥ लिपिहङ्लपइतणालीयंस

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ष्टि लिखितं ॥ अ ॥ ॐ अस्य श्रीप्रत्यङ्गिरामन्त्रस्य ॥ श्रीभैरव ऋषिः ॥ अनुष्टु
प्छन्दः ॥ श्रीप्रत्यङ्गिरा देवता ॥ ॐ बीजाय ॥ ह्रीं शक्तिः ॥ मः कीलकम् ॥ मम विविध
विघ्न प्रशमनार्थे जपे विनियोगः ॥ श्रीभैरव ऋषये नमः शिरसि ॥ अनुष्टुप्छन्द
से नमः मुखे ॥ प्रत्यङ्गिरा देवतायै नमः हृदि ॥ ॐ बीजाय नमः नाभौ ॥ ह्रीं शक्तये न
मः गुह्ये ॥ मः कीलकाय नमः पादयोः ॥ जपे विनियोगाय नमः सर्वाङ्गेषु ॥ ॐ
ऐं अङ्गुष्ठाभ्यां हुं नमः ॥ ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां हुं नमः ॥ ॐ श्रीं मध्यमाभ्यां हुं नमः ॥ ॐ प्रत्यङ्गि
रे अनामिकाभ्यां हुं नमः ॥ ॐ मम रक्ष ॥ रक्ष ॥ कनिष्ठिकाभ्यां हुं नमः ॥ ॐ मम शत्रून्
भञ्ज ॥ ॐ करतलकरपृष्ठाभ्यां हुं नमः ॥ ऐं हृदयाय नमः ॥ ॐ ऐं हृदय

ਯ ਨਮਃ ॥ ਓਂ ਹ੍ਰੀਂ ਸਿਰ ਸਮੰਸ੍ਵਦ ॥ ਓਂ ਸ੍ਰੀਂ ਸਿਏ ਯੈ ਵਧਣ ॥ ਓਂ ਖ੍ਰਹ ਫ੍ਰਿਰੇ ਕੁਵਸ
ਯਛੰ ॥ ਓਂ ਭਭ ਗਵ ॥ ੩ ॥ ਏਂ ਸ੍ਰਝ ਯ ਯਵੈ ਧਣ ॥ ਓਂ ਮਮ ਮਣ੍ਰ ਠਵਯ ॥ ੩ ॥ ਓਂ ਸ੍ਵਦ
ਸਮੁਯਠਣ ॥ ੭ ਠ ਟ ਟ ਮਃ ॥ ਓਂ ਕੁ ਤੁਵਃ ਸ੍ਵਃ ਸਿਗ ਤਸਮ ॥ ੮੨ਃ ਮੁਸ੍ਵਵ
ਮਃ ॥ ॥ ਲੈਂ ਧੈਸ੍ਰੰ ਕਪੁਲੰ ਤਮਨੰ ਦਿਸੁਲੰ ਮੰ ਰਿ ਟੁਗੀਮਙ੍ਕੁਲੰ ਵਤੇਮ ॥ ੯
ਫੈਂ ਸ੍ਵਕੈ ਮੀ ਸਿਤਗੀ ਮਸੰ ਧੂਙ੍ਕਯ ਫ੍ਰਿਕ੍ਰ ਫੈਂ ਮਮਠ ਦ੍ਰਕੁਲੀ ॥ ੯ ਓਂ ਏ ਟਸਮ ॥ ॥
ਓਂ ਸੈਂ ਹ੍ਰੀਂ ਸ੍ਰੀ ਖ੍ਰਹ ਫ੍ਰਿਰੇ ਮਮ ਰਵਾਰਵਾ ਮਮਸ੍ਰ ਠਵਯ ਠਵੰ ਯ ਫੈਂ ਸ੍ਵਦ ॥ ੦੩ ॥
ਓਂ ਗੁਰੂ ਓ ਗੁਰੂ ਗੋ ਸ੍ਰੀ ਸੰ ਗਦ ਸ੍ਰ ਸ੍ਰਜੁ ਤੰਪਮ ॥ ਸਿਕ੍ਰਿ ਠਵਤ ਮੰ ਸੋ ਵਿਵ ਗ੍ਰ
ਮਮਸ੍ਰ ਸ੍ਵਵਿ ॥ ੭ ਓ ਤਿਏ ਪ ਰਿ ਵਿਂਮਰਮ ॥ ਓਂ ਸਿਫੁਰ ਮ ਯੇ ਵਿਦ੍ਧਿ ਦਸ੍ਰ ਫਾਫ੍ਰਿਰ

॥ ਸ੍ਰੀ ॥

ਰਮੈ ਗਰੀਬਾ ॥ ਅਵਰ ਸਭੁ ਪਾਵਿ ਸੀ ਦੇ ਸੁਖੁ ਦੰਭ ਸਭੁ ਸਹਕੁ ਕਮ ॥੩॥੩॥ ੴ ਗਣਸਮਤਤੁਬ
ਵੀਨੈ ਹਿਰਦੁ ਲਛੇ ਬਣਸਗ ਦੂਯਾ ॥ ਰਭ ਦਦ ਨ ਰੋਣ ਕਰਿ ਕਿ ਪਿੰਸਕਪ
ਲਾਪ ਛੁਰੈ ॥ ਦੁਹੰ ਦੁਹੰ ਸਣਤੀਪ ਲਿ ਹੰ ਕੇ ਕਿਲ ਲਿਜਲੰ ਭਲੰ ॥ ਪਿਰਸ ਕਾ
ਮਾਪਿਤੁ ਪਸੁ ਗਤ ਪਲਿ ਦੁਯ ਮਥ ਦੁਹੰ ॥ ਸਣਤੀ ਮਤੁ ਸਿਛੇ ਸਮਣ ਸਿਤ ਬਮਿਤ
ਮ ਸਦ ਪਿਤੰ ॥ ਸਧੂ ਸਮਨ ਜਲ ਤੰ ਕੀ ਮੰ ਨ ਸਪ੍ਰਤਿ ਵਿਜਤ ਮੰ ਛੂਟੰ ॥ ਦਲਿ ਦੁ
ਖਲੇ ਪੁਸੀ ਖੰ ਪੁ ਲੇ ਸੁਦੰ ਸਤੁ ਦਸ ਤਿ ਕਿਮਾ ॥ ੴ ਪਕਟ ਛੇ ਦੁ ਸਹ ਕੁ ਬਲ ਨਤਿ
ਰਤ ਸਤੁਬ ਕੁ ਸਤ ਸੁ ਪੈ ਕੁਤ ਣ ਨ ਸਕੁ ਸੁਲ ਯ ਸਿ ਪਿ ਸਿ ਪ ਸਤ ਣ ਪੁਸਕ ਤੀ ॥
ਨਮ ਦੁਤ ਤਨੇ ਸਦਿ ਰਿਪ ਨ ਸਦ ਹੈ ਸਬ ਗੀ ਬਗੀਯ ॥ ਮਛੇ ਵੀਹੈ ਸਸ ਕਪ ਦਰ ਤਕ

ਸ੍ਰੀ
੫

रिं सउ कें ली स्वगीनः ॥ ७ त्रि सर्वं ॥ ॐ नमः सर्व सिद्धि योगिनी ह्रीं नमः सर्व
सिद्धि सः ह्रैं नमो रिं ह्रैं सिद्ध नमः सिद्ध येस कल जल सहस्र यक येतनाह्रे
सहक पालि ते ॥ उ हुष ॥ ॐ ह्रीं क्रुं दं दें द्दं रूं नम ॥ ॐ पर सदं सिरिचि ~ म
न प्र से विधमें पम्र व प्र समस रिस कल ह्र रिउ रिपु ज्ञे सम लिरि सकल पम्र
रिउ रि ~ सकल सह्रु प्र स विरि सिद्ध विस्तु गक्र अ। दम अ। वज्र अ। नरम णिवम
इठ द्विरो ~ सम स्वं सह्र स्व ॥ अ ॥ प दि। अ। इ द्वि लेरठि क्षि। अ। ठि क्षि। अ। पद्र
द्वठ हय। अ। ॥ कि सय ॥ अ। उ व हु व स्न सस कल सरों घ स्न णया ॥ अ ॥ पर सकना ~
कुठ गव ठिं सद ठै वक्र पण रि ~ ॥ इ सिम वरन सिठें सकल सर्ड स: प्र ~

उशानवज्ञले ॥ ओंवि भद कलि कलन मिति ॥ क्रुं क्रुं क्रुं धमीदभमदग्डुरां उ
मा ॥ ओं ॥ भर भर कट कं ठें ह्रीं श्रीं ह्रूं क्रुं ठणए ठणए ठणए स्वाहा ॥ ॥ ओं ह्रीं श्रीं
क्रुं ह्रैं भद भय भय मं उ इपिमित मितिभद धुउ भमकु ह्वेपद्व
क्रुकपलपमभज्ञरदस्तु भवयइ ह्रू ॥ ओं ॥ मघ ॥ ओं ॥ प्रल्व ओं ॥ कद्रु ॥ ओं ॥
ह्रैटय ॥ ओं ॥ यें ह्म ह्रे ध्रुं यं मप्र वयं ह्रि ध्रः उ ह्रूवण यठणए ठणए स्वाहा ॥ प
ओं ह्रः ह्रः ह्रह्रह्रह्र पापापापापा दि ॥ ओं ॥ मव मइ ज्रू म ॥ ओं ॥ पर मह्रूइ पत्व
श्री मवस्ट कह्र विद्विध भर स्वाहा मिकन्नमय ॥ ओं ॥ ह्रीं क्रुं ह्रे ह्रैं ठः
५ ठः ठः स्वाहा ॥ ओं कः मः मह्रि रिमिः कुः मउ के पीस्वरी स्वस्वापमस्व

द ॥ ॐ ह्रीं श्रीं प्रत्यङ्गिरायै नमः ॥ ॥ ॐ अस्य श्री प्रत्यङ्गिरामन्त्रस्य श्री
कालरुद्रो भैरव ऋषिः अनुष्टुप्छन्दः ॥ अत्र भद्रकालिका देवता ॥ श्री प्रत्यङ्गिरा
देवता ॥ ॐ बीजं ॥ स्वाहा शक्तिः ॥ कीलकं ॥ मम सर्वाभीष्ट सिद्धये जपे वि
नियोगः ॥ ॐ नमः सहस्रसूर्यनेत्राय भद्रकालिकायै ॥ ॐ नमः त्रिलोकचक्षुषे प्रत्यङ्गिरायै
य ॥ ॐ नमः शत्रुक्षयकारिण्यै ॥ भद्रकालिकायै ॥ परमेश्वर्यै ॥ भद्रकाले
हृदयाय ॥ भद्रे स्वाहा ॥ शिखायै ॥ कवचाय ॥ अस्त्राय फट् ॥ भद्र
भैरव शिरसे स्वाहा ॥ ॐ भद्रकालिकायै नमः ॥ ॐ हूं ॥ ॐ दिलि
ॐ मिलि ॥ ॐ कुलि ॥ ॐ दलि ॥ ॐ विद्युज्जिह्वे ॥ ॐ प्रज्वलिते ॥ ॐ

वद्रू॥७॥ ॐ भघ॥७॥ ॐ प्रभघ७॥ ॐ पूर्वभय॥७॥ ॐ समय॥७॥ ॐ पित्र७॥ ॐ
ग्रुभ॥७॥ ॐ रमय॥७॥ ॐ वम७॥ ॐ रुद्रय॥७॥ ॐ उरुय॥७॥ ॐ विमय॥७
ॐ हृमय॥७॥ ॐ कुल॥७॥ ॐ तुम्र७॥ ॐ रुद्र॥७॥ ॐ मन्म॥७॥ ॐ सद्र॥७॥
ॐ गल॥७॥ ॐ हेदृय॥७॥ ॐ सुरय॥७॥ ॐ उद्रमय॥७॥ ॐ कमय॥७॥ ॐ मे
धय॥७॥ ॐ दिमेषय॥७॥ ॐ णमय॥७॥ ॐ भद्रय॥७॥ ॐ विन्दय॥७॥ ॐ म
दय॥७॥ ॐ उग्रलय॥७॥ ॐ मङ्गमय॥७॥ ॐ प्रदेमय॥७॥ ॐ भमविपमं
॥श्री॥ मय॥७॥ ॐ विविधमय॥७॥ ॐ विष्टय॥७॥ भभमझंकिट्टि सुहत्रमद
॥१॥ योगधमधरव॥७॥ कुं मं णरकं भपमिविरकं रव॥७॥ स्वंद॥ सं सं॥ सं सं॥

ਰੰਰੰਰੰ॥ਵੰਵੰਵੰ॥ਲੰਲੰਲੰ॥ਮਵਕ੍ਰਤਹਯੋਪਦ੍ਰਵੇਹੰ ਮਦਮੇ ਯੋਯਯ ਤਿਕੇਮਦਮੇਯੋ
ਯ ਮਿਮੰਵਙਕਮੰਵਤਕੇਵਿਦ੍ਰੁਤਵਿਦ੍ਰੁਤੁ ਵਿਦ੍ਰੁਤਕਪਛਿਤਿ॥ਮਿਹਕਾਰਕ
ਦ੍ਵਨਦਕਪਛਿਤਿ॥ਮਿਹਕਾਰਕਮੰਨਦਵਿਕਮਮਙਮਲਣਰਿਲਿ॥ਮਿਤਿਕਿ
ਤੂਹਯਯੂਲਿਲਿਰੀਕਜਰਸਰਪਰਮਸ੍ਵਰਾਪ੍ਰਿਯ॥ਮਮਮਸ੍ਵਰਾਕਿਮ੍ਰਿ॥੭॥ਕਿਮ੍ਰਿ॥੭॥ਵ
ਦ੍ਵੈਯ॥੭॥ਵਿਮਲਯ॥੭॥ਮਵਪਿਤ੍ਰਪਿਮਸਰਗਸਾਗਨਤਗਨਸਕਿਤ੍ਰਰਵਿ
ਦ੍ਰਣਾਗ ਗਤ੍ਵਵਯਬ੍ਰਹਮਸਾਲੋਕਪਲਜਦਰਾ॥ਤਸ੍ਰਯ੭ਰਮਯਾ॥੭॥ਯ
ਸਮਮਣਰਕਸ੍ਰਮਪਾਵਿਵਰਕਸ੍ਰਮਤ੍ਵਮਤ ਦਨਯਾ॥੭॥ਯਮਮਮਰਤਸਤ੍ਰਿਗਤਰ ੭
ਯੇਮਮਸਮਮਵਿਹਯਮਾਵਿਹਕਸ੍ਰਤ੍ਰਪਾਤਿਕਾਯਯਾਤਿਵਤਯੰਵਿਹੰਤਸਯ॥੭

मुं रं कीलय ॥७॥ ग्रं भं कीलय ॥७॥ ष्यं उय ॥७॥ ॐ पें विस्त्र भ्रष्ट ये भदद्रे ग्नम
ॐ स्तुं भः भभमह्रू त्रं भ्रांपि स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ ग्लुं भः भभमकृ त्रं मिरं मिस्तु भ
य ॥७॥ ॐ दं भः भभमह्रू त्रं मिरं मिस्तु भक्षय ॥७॥ ॐ ग्लिं ह्रुं स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ गुह्रुं
स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ विह्रुं स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ ॥ दस्तुं स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ पर्दै उह्रा पिंगा ब्रिमि
म लि स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ उह्रिं यालि स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ गदतुः ह्रुद्वं स्तु भक्षय ॥७॥ ॐ
मुं रं कीलय ॥७॥ ॐ ग्रं भं कीलय ॥७॥ ॐ भङ्गं कीलय ॥७॥ ॐ र ठिं कीलय ॥७॥ ॐ
श्री॰ ॐ ग्लुं भः भभमकृ त्रं भवं म्रेदं कीलय ॥७॥ ॐ भवाभिद्धि भदठगा भदठगा ।
३ स्त्र भभणा फस्त्र भपाविरं कस्त्र भवउ वैवां ठम ॥७॥ सिंदणा खदा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ

ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ।। यं यं यं यं यं ।। रं रं रं रं रं ।। लं लं लं लं लं ।। वं वं वं वं वं ।। ह्रीं ह्रीं
ह्रीं ह्रीं ह्रीं ।। ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ।। ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ।। ह्रूं ह्रूं ह्रूं ह्रूं ।। ठणठणस्वा
हा ।। हौं ०: हौं ०: हौं ०: ।। हौं ह्रूं ठण ।। हौं पुहभ्रिंभेदविह्नि भभणक्क
ह्रुभपरिविषय्रुभवउंरक्ता ३ ।। हौं ०: ३ ।। हं हौं हौं ठणस्वाहा हौं रभेकग
वति वंतलेमक्रय्र क्रविनमिहिक्रधूवि गिल्नि हिक्रुलवहक्रुमम
ज्ञिणविल्नि हाणिभंमकक्रेल्नि कृपालपिङ्क्कणमिणविल्नि हौंम
भणक्कह्रुभपविवक्कह्रुमहूह्रुद ३ ।। दर ३ ।। पम ३ ।। भंघ ३ ।। मवह ।
ह्रूह्रुभ ३ ।। हौं हौं हैं रं ह्रुं ह्रुं ह्रुं ठणस्वाहा ।। हौं हौं हौं ह्रीं ह्रीं ह्रीं मं ह्रु

कमलिनि भमं इयङ्ङङ्ङ म्रल्क विषमम्ड्र पिमिमैभवैपद्भव दिकंय
रणंकरिठंञनंठेकरयठेकरिष्ठठिकरायिष्ठठिवङ्क्ष्वद्ध॥७॥
मदउ॥पम ७॥मष॥७॥प्रमष॥७॥प्रठ्ह्रिौमंभपरिवंकंरद्ध॥७॥ष्वद॥
ठैं ह्रैं ह्रैं हूं हूं वलठलय॥ष्वद॥ठैं ऐं ह्रीं श्रीं ष्ठिल्लिं भमसिरैरद्ध॥७
ष्वद॥ठैं ऐं ह्रीं श्रीं भदेखरिभमरेहेरद्ध॥७॥ष्वद॥ठैं ऐं ह्रीं श्रीं कैभरि
भमवङ्कुं॥रद्ध॥७॥ष्वद॥ठैं ऐं ह्रीं श्रीं वैष्ठरिभमकवंरद्धारद्ध ष्वद॥
॥श्री॥ मं॥रगमिंदिभमरवैं॥रङ्क्रौं॥७॥ष्वद॥मं॥वरदिभमलमषंवद्ध॥७॥ष्वद
॥७॥ मं॥ङ ठि्लि भमरकिंरद्ध॥७॥ष्वद॥मं॥मदलल्लिभमललंडरद्ध॥७॥ष्व

ਦ॥ ਮੈਂ॥ ਵਸ੍ਵਰੋਮਮਪਰੈਵਗ॥ਓ॥ਸ੍ਵਦ॥ ਠੇਂ ਠੇਂ ਠੇਂ ਦੇਂ ਦੇਂ ਮ੍ਰੈਂ ਮ੍ਰੈਂ ਕ੍ਰੂੰ ਕ੍ਰੂੰ ਹ੍ਰੀਂ ਹ੍ਰੀ
ਠੇਂ ਸੇਂ ਹ੍ਰੀਂ ਸ੍ਰੀਂ ਸ੍ਰਹ ਕ੍ਰਿਰੇਮਮਮਵਸਗੀਂਰਰਵ॥ਓ॥ਸ੍ਵਦ॥ ਧੁਸ੍ਥਿਰੀਮਿੰਦਰੀਮੇਵਰ੍ਹੈ
ਠਿਲੀਹ੍ਰਵਿਲੀਤੰਘ॥ ਣਾਸ੍ਥਿਲੀਹਮਿਲੀਰੈਂਸ੍ਰੀਤਵਸੰਦਤਿਲੀਤਿਮ॥ ਸ
ਤ੍ਰਯ॥ ਰ੍ਹਭਯੈਗਰਮਰੂਪਵੈਰਿਯੈਲਿਤ॥ ਰਰਿਤਭਰਕੇਦ੍ਰੈ ~ ਭਵਮਰੂਵਿਰ
ਸਿਰੀ॥ ਠੇਂ ਠੇਂ ਠੇਂ ਧੁਸ੍ਥਿਰੀਮ੍ਰੂੰ॥ਓ॥ਭਮਮਰੂਸ੍ਤੁਮ੍ਹਯ॥ਓ॥ਸ੍ਵਦ॥ ਠੇਂ ਠੇਂ ਠੇਂ ਮ੍ਰਦਿ
ਰਿਸ੍ਰੈਂ॥ਓ॥ਭਮਮਰੂਸ੍ਰੈਂਦਯਤੁ॥ਸ੍ਵਦ॥ ਠੇਂ ਓ ਕੌਠਿਲਿਮ੍ਰੈਂ॥ਓ ਭਮਮਰੂਠੈਕਯ
ਸ੍ਵਦ॥ ਠੇਂ ਓ॥ਹ ਵਿਲਿਮ੍ਰੈਂ ਭਮਮਰੂਸ੍ਰੂਵਯ॥ਓ॥ਸ੍ਵਦ॥ ਠੈਂ॥ਓ॥ਣਾਸ੍ਥਿਲਿਮ੍ਰੈਂ॥
ਭਮਮਰੂਗਾਲਾਮ੍ਹਯ ਓ ਸ੍ਵਦ॥ ਠੇਂ ਓ ਹਮਿਲਿਮ੍ਰੈਂ ਓ ਭਮਮਰੂਹੈਮਯ॥ਓ॥ਸ੍ਵਦ

ॐ उ॥ अंद गिलि म्हें अ॥ भमसह्रं दरय॥ अभ्वदा॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं स्वश्रलि
भम मिरिवा॥ अभ्वदा॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भदे स्वरिभमरे हेरवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ कें
मरिभमव इंरवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ वैष्ठवि भमकवुं रवा अभ्वदा॥ मं॥ नरामिदि
भमवद्र रवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ वरादि भमहमयं रवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ उम्हलि म
मर्कि रवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ मभ्वहे भमगुहूं रवा॥ अभ्वदा॥ मं॥ भदलङ्क्षि भम
गाई रवा॥ अभ्वदा॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं वभवुरे भमपदौ रवा॥ अभ्वदा॥ ॐ ॐ ॐ दंदं
श्री॥ ह्रैं ह्रैं हुं हुं ह्रीं ह्रीं ॐ ऐं ह्रीं श्रीं धुह ह्रिंरि म्हें॥ अ॥ विकटदंष्ट्र॥ ह्रीं अ॥ कलि॥ अ॥
० म्हें॥ अ॥ स्कंह गिलि भमसह्र के स्य॥ अ॥ पदस्य॥ अ॥ भवम्दसुम्स्य॥ अ॥ पस्र

र क्लिं ह्रिं ॥ ३ ॥ क्लिं लिं ॥ ३ ॥ पिब ॥ ३ ॥ मणिं ह्रैं ॥ ३ ॥ क्लिं गिं ॥ ३ ॥ कलिं ॥ ३ ॥ मदकालिं ॥ ४
श्रुं ह्रीं ह्रैं ह्रुं रुण ॥ भ्वद ॥ ॥ यउ भं णस्य ह्विं ह्रुं ह्रिं भं ह्रुं वापियः पं॰उ ॥ मे
पिंश्लं उ केवापि विप्रद्दरत्र भं मयः ॥ भवडिणस्य ह्विं ह्रुं भदकयवि प
उिध ॥ मदकयेध्यां गेधूरुयंविह्रउ क्वामिग ॥ भवक्रु भवप्रे उिभह्रु
मिविरसंमयः ॥ क्रुटं ह्रैं जृ नउमिक्त विधिक्वीणपछ्रुक्र्मा ॥ क्लिं क्लो॰
मंमिपंउं रक्ष्मयेम्र ण्क्रुडभमा ॥ उउिप्रह्रह्निरम्रुं भमभवामि उमिवमा ॥ ॥

श्री

ॐ श्रीगुरवे शिवायै नमः ॥ ॥ ॐ नमस्त्रिपुरसुन्दर्यै ॥ ॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं ...
[illegible]

ਰ:ਸ੍ਵਕ੍ਰਮੇਸ਼ਿਥਿਲ: ॥ ਸ੍ਵਦਤ੍ਰਬ੍ਰਿਪਰਮਜੂਮਦਮਤੁਸੀਦੇਪਿਸੇਤ੍ਰੁਪਕ੍ਰ ।
ਕਲਯਪਧ੍ਯਨਸਕਰੇ ~ ਸਪ੍ਯਰਤਰਸਗਿਸਦ੍ਰਤ੍ਰੁਪ ~ ॥ ਵ੍ਰਦ੍ਯਬ੍ਰਿਹ੍ਨਨਸਦ੍ਵ੍ਰਦ੍ਯ
ਧੂਨਤਿਸਯਨ੍ਯਬਿਸ੍ਯਗਰਸ੍ਵਪ੍ਰਸ੍ਵਬ੍ਯਤ੍ਰਗਿ ॥ ਧ੍ਯਸਯਧੂਸ ~ ਧੂਸਂਹੇਸ੍ਵੇਤਿਸਬ੍ਰਿ
ਧ: ਸ਼੍ਰਿਤਿਸਂਦਰਬਿਲਯ ॥ ਡੰਕੇਸਸਯਂਣਗਨ੍ਯਸਯਤਿ ॥ ਹ੍ਯਾਣ੍ਹਸ ਨ ਸਤਹ੍ਯ
ਵਿਦ੍ਵਦਿਧੂਸਯਪਰਿਪਹ੍ਨਸਪ੍ਯਰਤ੍ਰੁਪਯਕੇਦਕੇਸਸਯਸ੍ਵਸਦਸਿਵਧਸ਼ਿ
ਸੀਪ੍ਨਨ੍ਯਵਤਿਸੁਦਪਮਵਸ਼ਿਤ੍ਰਸਨ੍ਰਂਸਤਿਸਯਨ੍ਯਨਸ਼ਿਤਿਸਂਦਰ
॥ਸ੍ਰੀ॥ ਸਹਾਰ ਤੰਨਨਸਯਤਿ ॥ ਤਸ੍ਰਸ ॥ ਸ੍ਵਪ੍ਯਰਤ੍ਰੁਪਸਗ੍ਰਿਸਦ੍ਰਪਰਸਜਤਯਸ:
॥੦੭॥ ਧੰਤਦਤਿਪਸਂਦਿਤਯਸ੍ਵਨ੍ਯਸਯੀਤ੍ਰਪਨ੍ਰਸਯਗੀਤਿਠਾਰਤੰਵਦ੍ਰਤ੍ਰੁਪਸਪ

ਤ੍ਰਿਸੁ

ਦਸ੍ਰਵੇ ~ ਯਰ੍ਵਣ੍ਹੁ ਰੋਗਾਣਿਤਃ ॥ ਸੰਧਕਾਗਾਵਤ ਸ੍ਮਵਣ ਵਕੇਦੈਵਤ੍ਰਸ੍ਮਿ ਤ੍ਰ·ਓ
ਤ੍ਯਕਾਗਵ ਸ੍ਨੁਦਯੰਪਸ੍ਤ੍ਰਵਿਣਜ੍ਤਕਦਮੇਧਮਾਕ੍ਤਿਮਸ੍ਤ੍ਰਸ੍ਮਕਧ੍ਵਤ੍ਰ੍ਹ ਮਾਤ੍ਰ
ਵਿਯਤ੍ਰ ॥ ਸ੍ਤ੍ਰੀਧ੍ਵਕ੍ਰਮੰ ਨਿਸ੍ਫਲਤ੍ਰੇ ॥ ਨਿਸ੍ਤ੍ਰੁ ਤ੍ਰਸ੍ਵਮੇਧਕ੍ਰੇਲਃ ਸਤ੍ਰੌਯਯਸ੍ਕ੍ਰ
ਲਾਤ੍ਰੁਪ੍ਤ੍ਰਸ੍ਵਨਿਸ੍ਤ੍ਰੁਤ੍ਰੁਧੂਮੇਯਤ੍ਰਹ੍ਤ੍ਰਃ ॥ ਸ੍ਵਧਸਕ੍ਰੰ ਕ੍ਰਾਸਕ੍ਰਾਵਿਸ੍ਤ੍ਰੁ ਨਿਸ੍ਫਲ
ਯਗਸ੍ਤ੍ਰੁਤ੍ਰੈਫਲਸਧ੍ਵਵਸ੍ਤ੍ਰੇ ਪਿਵਸ੍ਤ੍ਰੇ ਨਿਸ੍ਫਲਂ ਦਤ੍ਰਸ੍ਵਨਿਪਾਸਜ੍ਤ੍ਰਵ ਨਿਸ੍ਫਲਃ
ਯਸ੍ਯ ਹ੍ਰਿਦਿ ॥ ਮਤੁੰ ~ ਸਕਲਸ੍ਵਯੰਦਿਤ੍ਰੁ ~ ਨਿਸ੍ਫਲਃ ਸਿਵਤ੍ਰਹ੍ਲੰਸ੍ਤ੍ਰਸ੍ਵਦ੍ਰੁ
ਪ੍ਰਕਰਣ ਦ੍ਵਯ ॥ ॥ ॥

श्री
७३

श्रीपामगुसपबकहैरमः॥ ॥ ॐ यम्हेयंयम्नकदंणागारुभिलवली

यंधकसंधमजकुतेकुमरकमःपाउतिवादिमकुमकुकुघमरगा॥

उकुस्नाह्रियदंमययवधगापिलंकवसउंभ्वजुपावित्कदाश्विह्विमवपन

तिणायातिमञ्चरमेमंमदमुगा॥ ॥ ॥ यमम्रदभ्रिकुणीभुरातिदानिमर्नपः

मकुरंहिलैकीकहेपमवर्वणमुतिमवावितिमिएमरहजतुपा॥ कुस्वी

णाधप्रवजप्याटरपानिपलीमरद्वेविणयवीर्धिंतरकलंवितरातिथेदि

वैकेयमधवकमदा॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ उदापलवतरामदमदिक्कमम्दमम

पूं~ स्रदेमविस्नरांकुमपिम्वजुपंधतिश्विउमदवस्नकंपघममभीगा॥

यत्वणाः लोकैः कैर भीष्ट॥ नष्टेमथव॥ यमंपर्वेव ध्रवगिणाल ध्विकंत मपिन
भीष्ट॥ मडुमर~॥ नमठंणक्ष। तद्वितमंभी॥ रक्षेत्रिवमध्रमत्रिजितिस्तभीष्ट॥
यत्रसर्वस्मिं भीतक्रमयति॥ स्तुतीमिहमिरि॥ तमग्निश्रीयंवसु भविमइंस्म
मयभणक्रंप॥ विकजिहहयक्रमभः॥ मत्रभयमरमेपिक्षवक्रुंप॥ म्रवं
स्वध~ भवीक्षध~ वकुव॥ मवस्वमध~॥ ध~ मूपिध~ क्रुतंमर
मेपिमरंक्रुतंयतक्रुं तमेवभीमिहजः॥ ध~ मूध~ मंतमजपसूजमे
श्री मंइंमरमेयमरोविकमितिमृहत्रमता॥ भमेवमेयेमभमुस्तुभीमिति
०८ म॥ यइत्रिरभीइमिइंमंविमममपमवीरवंदिति॥ भममदिचिमरतुद्ध॥

ਤਸਨਦੂਹੈਰਤਮਃ ਸਚੁ ਮਿਲੈ ਸਾ॥ ਤਸੇਵਦਾ॥ ਤਸਤੁਸੀ ਮਿਹਣ ਮਿ॥ ਸੁਤਸੈਤਸਸ

ਤੁਕਰੈ~ ਸਕੁਤੰਤਸਤੁਸੀਸਿਯਸਗ॥ ਸੁਤੂਸਪਿਸੁਕਾਰਣੁਖੰਰਕ੍ਰਵ॥ ਤਸ

ਸੈਪਿਙਕੰਰਸੀਤ॥ ਯਦਿਕਸ੍ਰਿਕ੍ਰਯਸ੍ਰੋਕ੍ਰਿਸ੍ਰਿਸਦਸਪਿਰਸੀਤਦ੍ਰਿਤਸਦ

ਵਸੀਸਟਧਤਸਤੁਸੀਮਿਹਸਿਸ੍ਰਤਸਤੰਕੁਖੰਧਟੈਤਤਗਿ॥ ਤੰਸਹੁਤੰ॥ ਤਸਸ

ਗੁਫੈਸਕੁਤੰਤਸੈਪਸੀਗ॥ ਤਸੈਪਨਕਵਗੀਸਾਂਨਵਕ੍ਰਵ॥ ਸਟਧਤਸਦ [illegible] ਕੁਟਤ੍ਰ

ਪਃ॥ ਕਿਸ੍ਰਰਸੈਹੁਤੰਰਸ੍ਰਗ॥ ਤਸਦਸਰਿਵਸੁਤਹੁਗਦਖਮਿਹੁੰ॥ ਸਟਕ੍ਰਿਸ੍ਰ

ਰਪਿਪਨਸੁਕਸੁਸਿਤ੍ਰਸਨਸੀਮਿਹਜਃ॥ ਸਵਕਵਪਿਸ੍ਰਤੁਸੈਵਨਾਸਿਸੁਤਦ੍ਰਿ

ਰਕਿਸ੍ਰਰਸਤਤਿਕਧਸਕਿਮਟਮਿਤਿਕਵਃ॥ ਸਖਯਮਿਤਸਗੀਸਿਖੰਰਸੀਤ

ਸ੍ਰੀ
੦੫

ਹਿਕੰਥੰਤਮਨਿਗ੍ਰਿਬਾਦਿਤਟੁਤਝੁਖਪਗ੍ਰਿਰਿਜਿਤ: || ਯਝਦਿਯਤ੍ਰਮਤਤਕਥੰਤਗ੍ਰਿ
ਨਕ੍ਹਿਸਿਟਮਤੁ || ਧੁਕ੍ਰਰਤੁਰੇ ~ ਤਿਬੰਤਟਮੀਮਿਤਿਰੈਬਮਿਤਿਪਸਿਦਰਤਿ || ਧੁ
ਕੇਤੰਮ ਲਿਲੰਮਰਮਉਟਮਿਤਿਖਬਮਮਰਕ੍ਹਠਰੇਸ੍ਕਤ || ਧੁਗੀਖਟਮਧ੍ਕੰ
ਵਿਸਰਮਭੀਤਮਿਕ੍ਰਰਤੁਰੇਤ || ਭਮਤੁਟਮਧ੍ਕੰਉਟੰਮਰੰਦਸ਼ੰਮਲਿਲਧੁਕੇ
ਤੰਧੁਗਥੁਭ੍ਰਿਟ || ਰਮਤ੍ਰਪਭ੍ਰਿਤੰਰਮੈਖਟਬ੍ਰੈਦ: ਮਮਸਿਟੁਪਰਵ || ਸਿਟਮਤਯ
ਵਿਸਰਮਭੀਗ || ਨਤਮਦਹਕਰੇ ~ ਤਮ੍ਹੰਭ੍ਰਲਮਭੀਗ || ਸੁਮਦਰਤੇਸਿਟਮਤ੍ਰ
ਪੰਹਿਸਿਟੁਮਬਟੁਣਤੁਪਮਿਟੁਤੈ: || ੨ ਵੰਕਿਣਵਭ੍ਰਮਮਣਿਮਥ੍ਰਿਮ੍ਰਕਬ |
ਹੁਪਿਸੈਹਕੋ || ਤਟਦਿਸੈਦਪ ~ ਰਟੁਸਿਰਟਨੀਲਹੁਤਰਭਾਪਦਿਕਿਸਰਠ

श्री:

येद्वेवंकृपउत्रि ॥ वककीरभश्वदमिलिस्टयउ ॥ धकमस्वत्रकृपमर
विमृत्ते रद्दविधयः । श्वभ्रधकमउविमृत्तिस्वकृपेविभम्नः । स्वदमाएः
मिवउद्भन ॥ स्वरद्वैस्नापश्वधकमउविमृत्तिरंङ्कस ॥ म्रिदरन्नभयीवि
मृद्ववरश्वठवभयीमंविमिवक्विक्रिदक्तरउंगउभजी । उक्कमाउिक्कप ॥
भवठवृरंगीणाक्वभिः मक्तवस्त्रुंमाउिमिवउक्रुद्वयभैव ॥ मक्रणाल्ग्नपं
रम्भा ॥ उेकउउिवल्लुद्रयंघक्रुमंविक्रपधकमाठिधूये ~ मिवउक्रु म
श्री॰ क्रंविभस्त्रठिधूये ~ माउिगिउि ॥ यभालिउेमिवमउीपउद्रुजंठवउि ॥
७० पंरिध्रल्लक्रवभ्रापरिविक्किभभैकाभामिद्रइद्रदिवउल ~ क्कलक ~

ਨਵਿਖੁਹਪਿਤ੍ਰਯੁਭੇਵਕੰਲਾਲੰਕਮਾਏਂ ॥ ਧ੍ਰੰਸਿਕਃ ਕੰਸਿਰੰਭ੍ਰੁਰੰਃ ॥ ਸੰਤਰਾਸਜੇ ॥

੦੭

यमकवग॥ अरदउलुधकसंपाथकमंभयहृमरकथ्रु॥ रंथधयुस्वमजभंड़
भवदृश्यमविसेषउहृद्लैकवरयथा वउरकवयथावउभीकवकूमे॥ अ
ह्मिद्विदमणवधृद्धकहैवकउयपारि ~उः॥ अद्भुष्वत्ुलहृरिध्द
डिरहृपिभवत्वकववृदियीकवउि॥ पब्रुकुंमयंकुष्ठकैभलष्वतुर
विम्रैदैरिखृद्विभ्रुष्टमउः॥ कालिलषद्वणहुरसुकलमे ~ उिकणरह।
श्री: गःहृदिपरि~भमदवरउं॥ उघमारमकुपस्ंउदिरहृरुमे ~कल
७३ धृरमहु टिक्रुम ~कवः॥ वीएमदरहुरमिलकुमे ~ कणरमापधकतूदि
परि~वपिमदहृजो॥ पउमदवधुउिद्वरगुमहदिकृत्तो॥ सुसंमिदमर्वे

धंमकारणुमपरातमा॥ सागास्त्रपतयरमैस्रहणंकैरवंवप्रणिति॥ स्तुक
मसीरंमिद्धनक्रुपतंतिभूये~॥ उपरिधिमयेपि॥ बृद्धैवकमसीरं
क्रुतंरंकरं~मिहृतं॥ उघमजेद्विगीयेंपदिधिगं॥ उभ्रद्वतकभ्रमद्भ
रतुकमः भद्भुतसुकमद्वबवयेंधियेयरपः स्वङ्क्षः पविवीयविहं
उपणयाउयणिहृत्रमिहहमि॥ यस्त्रकिठ्ठिङ्गगस्रवंस्त्रहृंडेमस्य यतेपि
सृ॥ सृतउदिस्त्रउझ्रवंहृयरसय~ :भ्रिउउठि॥ ठेंडिगीयपि धृ~य
येंदिहिदुंवीदमउडदिहृपमिद्रङ्गणीर्ववभ्रिउः॥ रक्षमिमहृदि
पुठिपाहि:॥ पंउमभमहयपदतुंमउभ्रुयेंयवकणीवहृ ह्रुयहें॥ न

ਸੁਹੋਵੈ: ॥ ਤਮਸਤੰਡੰਤੁ ਯਾਦਿ ਸਮਸੇਣੀ ਵਸਦਸ: ਛਣੀ ਠਵਤਿ ਤਸ੍ਰੁ ਹਟੇਵਸ੍ਰ
ਤੁਤ੍ਰ ਸਿ ਸਕ੍ਰ ਤੁਦ ਸੀਤ ਸਸੀ ਸਿਦ੍ਰ ਸਨਾਕ੍ਰਿਯੰ ਕਰੌਤਿ ॥ ਯਯਕ੍ਰਯਤੇ ਸਦ੍ਰ
ਨਾਕ੍ਰਿਯਯੈ ਵਪ੍ਰ ਨੀਹਤਯ ਸਨੈ: ਸਨੈਲ ਗੇਹ੍ਰਿ ਪਕਿਦ ਵਿਧਯੇ ਸ੍ਰਵਕ
ਸਕ੍ਰ ਕਸਕ ਸਸਕ੍ਰ ਹਤੇ ॥ ਤਤਿ ਸਵਣ: ਸਵੰਣਾ ਨਸ੍ਰੈਹਤੰ ॥ ਕਿੰ ਪਾਰਸ
ਸ੍ਰਨਸਕ ਸਨੈਦ੍ਰ ਹਤੇ ॥ ਸ੍ਰਪਿਤ ਤਦ੍ਰ ਹਤੇ ਵਵਤਿ ॥ ਸਵੋਧ ਸਨਠਵਸ੍ਰੁਕਸ
ਯਤੌ ਸਹੰਗੀ ਣਾਵਿ ਕ੍ਰਤ ਕ੍ਰੁਤਪਾਗਿਕ੍ਰਿਤ ਕਸੈਦ੍ਰਤਿ ਸ੍ਰਦ ਸਨਾਕ੍ਰਿਯਯੈਵਠ
ਨਤਿ ॥ ਤਪਣਿ ਵਦ੍ਰਕ ਸੈਦ੍ਰਤਿ ਸ੍ਰੁਪਾਸੈ ਸ੍ਰਨਾਕ੍ਰੁ ਧਾਸਿਤਿ ਸੈਤ ॥ ਸਦਕ੍ਰਸ
ਸਪਿਸਿ ਕ੍ਰੁਕ ਸਸ੍ਰ ਵੈਠ ਸਕ ਕ੍ਰਸਤੇ ॥ ਸ੍ਰੁਕ ਸਠੰ ਸਨੰ ਸਿਕ੍ਰੁਤ੍ਰ ਕਸਕਸ ਸੁਦ

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

ਮਙ੍ਗਲਦ੍ਵਯਤਿਤਃ ਸ੍ਵਯਮਾ॥ਸ੍ਥਿਤਃ ਮਙ੍ਗਲਦ੍ਵਯਪਦ੍ਮਮਰੈ ਸ੍ਤ੍ਰਾਡਿਰਾਸ੍ਤੁਤਃ॥ਤੇਸਿ ਮਙ੍ਗ
ਲਿ ਤੰਤ੍ਰੈ ਮਮ੍ਰਮਸਿੰਵਦਦ੍ਵਯਃ॥ਮਰੈ ਤ੍ਰੈਸ੍ਤ੍ਰਦ੍ਵਰਤਯਮਮਦ੍ਵਃ ਪਵਰਃ ਸ੍ਤਾ॥ਮ
ਤ੍ਰੈਮ ਵਿਲ ਸ੍ਤ੍ਰੈਖਮ੍ਰਕਮੰਵ ਤੁਵੰ ਸ੍ਤੁਤਃ॥ਤੇਲੋ ਮਨਵ ਮਙ੍ਗਲਦ੍ਵਪੰਪਦ੍ਮਅਦ੍ਵਯਃ ਸ੍ਥਿ ੫
ਮਾਤ੍ਰਸ੍ਵਯਪਿਸ੍ਤੈਖਮਰਮੇ ਸ੍ਤਤਯੋਸ੍ਥਿਤਃ॥ਸ੍ਵਸ੍ਤੈ ਤਦ੍ਰਸ੍ਤ ... ਤੁਤ੍ਰਮਮ੍ਦ੍ਵੰਪਸ੍ਤੁਰੇਮੀ
ਤਦ੍ਵਯਵਰਠਮੰਸਮਤ੍ਰਸ੍ਮੀਦੰ ਮਦਸ੍ਥਿਤਮਾ॥ਗਾਗਤਯੇ ... ਵਪਰਿ ਪ੍ਰਲੰ ਵਿਲ
ਟਹੈ॥ਮਦ੍ਯੈਠਵਵਿਕਾਰਹੈ:॥ਮਵਿਕਾਰਮੇਵਸ੍ਥਿਤਮੇਤਿ॥ਸ੍ਕਰ੍ਯੈ ਹੈ ਸ੍ਤਤਵਮਿਸ੍ਥ
ਸ੍ਰੀ: ਤਃ॥ਮੰਸਾਲਿਖਿਦੰ ਤ੍ਰਦ੍ਤ ਤਸ੍ਲ ਲ ਰੀਤਿ॥ਸ੍ਵਕਮਸ੍ਤਕਮੇਦ੍ਤ੍ਰਿਤੈ ਕਿੰਪ੍ਰਯੋਗਾਰਮਿਤਿ ਸ
੪੦ ਵਾਤ੍ਰਮਦਦੈਤਃ॥ਯਦਪਿਰਕਿਸ੍ਥਿਸ੍ਵੇਤਦ੍ਰਕਮਤਤਾਮਗਸ੍ਤ੍ਰਮੀਤਤ੍ਰਤੇ ਕਿੰਪ੍ਰਮ

श्री:

[illegible]

ਮਧਨਧਜਗੁਦੰਦਿਮਸ: ਮਾਤਿਸ੍ਵਕਥੰਠਵੇਤਮਿਟਮਾਟਿਵਰਦੁਟੁ:॥
ੲਤਿਰਿਹਸ੍ਵਿਦਸ੍ਯਮਿਤੁ:॥ਦਵਝਸ੍ਰਿ~ਵਣਾਰਿਹਗਾਯਤ੍ਰੀਪਵਸ੍ਵੁਪੌਠਵਾਤ੍ਰਿ:
ਕਿੰਚਿਤਿਗੀਯਤੇ॥ਰਗਯਤ੍ਰ:ਪਰੰਣਾਪ੍ਰਮਿਤ੍ਰਤੇਮਾਵਿਸ੍ਰਤਕ੍ਰਨੌਣਯਮਤੇ
ਵਿਮਸੰਟਗਾਤ੍ਰਪਪਤੇਰਿਤਿਕਿਮਿਤਿਗਾਯਤ੍ਰੀਮਤ੍ਰ...ਰਯਾਕਲੇਪ੍ਰਬਮਭ
ਪਦਿਸ੍ਵੰਵਿਦਯਾ॥ਤੈਂਕੰਉਟਦਿਣਲਦ੍ਰਰਮਕ੍ਰਿ...ਤਿਸੁਡਾ॥ਮਟਾਂ॥ਪਤ
ਮ੍ਰਿਤ੍ਰਪਿਮਤਿਕਸ੍ਟਸ੍ਵਿਮਪਿਕ੍ਤੁਤੇਰਠਵਤ॥ਯਪਵਝਸ੍ਰਵੇਦਗਾਯਤ੍ਰੀਸੇਭੁੰ
ਪਦਤਿ॥ਮਪਵਮੌਠਸ੍ਟ ਵਿਤੁਮਪਿਤਮਕਤਯਪੌਣਾਯਤਿ॥ਸ੍ਤੁਬਵ~ਦਿਯ
ਸ੍ਰੀ ਵਿਸ੍ਦਪਦੈਰਪ~ਵੰ:ਪਰਮਵ੍ਰ:॥ਤਕ੍ਰਨਾਪਦੇਰਕਕਾ:॥ੲਤਿਗਾਯਤ੍ਰੀਮਸ੍ਦਦੇਰਠ
੪੪

ਨਿਰੇ ਮਨ ਮੈਂ ਪਵਨ ਵਸਭਕੈਸ ॥ ਮਕਛਥਕ੍ਰਿਰੈਥੇਸਕਿਦਿੰਤਕ੍ਰਿਧਰੋਪਲਿਥਿਦਮਾ

ਕਇਦਖਥਮੰਤਕ੍ਰਵਿਤਰਿਹਾਮਿਇਪਮਯਗਯਹਵਕ ॥ ਪਰਿਰਲਸ੍ਰਮਥਜਿਮਿ

ਤਿਸਕੇਪਮਮੇਲਤੰਪਖਮੇਵਿਣਯ ॥ ਤਮਤਏਤਥੇਸਮਿਮਤ੍ਰਂਤਸਤ੍ਰਥਕਕ੍ਰਾਂ

ਪਿਇਗਯਸੀਮਤ੍ਰਵਾਇਧਰਕਮਮ੍ਰਧਿਤੰ ॥ ਤਕ੍ਰਵਿਤਰਿਹਰਕ੍ਰ ॥ ਮਸਤਮਿ

ਤਤਮਥਤਮਤਕਮਸਮਦਮਤ੍ਰਃਸ੍ਰਂਤਮਮਿਤਃ ॥ ਯਦਤਂ ॥ ਤਇਮਤਕਗੀਪ

ਪਵਿਕ੍ਰਇਯੀਮਯੀਮਥਲਇਧਰਪਰਮਸ੍ਰਗੀ ॥ ਸ੍ਰਤਕ੍ਰਰਿਮਕ੍ਰਰਿਪਮਰਿਪਕ੍ਰ

ਅਵਿਕਮਿਤਰਿਕ੍ਰਤੀਯਰਿਮਤਾਏਰਿ ॥ ਸਤੀਯਰਿਮੈਥਰਿ ॥ ਤਰਲਕਥ੍ਰਮ

ਮਕ੍ਰਲਿਪਰਸਰਿਣਮਲਿ ॥ ਮਿਕਿਕ੍ਰਿਤਰਿਸ੍ਰਂਤੀਥਿਮਮਿਵਮਕ੍ਰਿਯੈਨ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਪਰੈਨਸਾਧਤ੍ਰਿਲੁਦ ~ ਇਰਜ਼੍ਰੀਤ੍ਰਿਮਿਪਾਇਰਮਿਰਦ੍ਵਿਤੇਸੇਵਤਸ੍ਰੀਲਯ
ਤਿਮਹਤਿਵਿਕ੍ਰਮਤਿਤਸ੍ਵੈਤਟਨਵੰਕ੍ਰਮਯਤਿ॥ਮਮਵਧੇਵ:ਸਿਵਕ੍ਰਪੀ
ਸਟਵੇਰਾਵਿਕ੍ਰਮਤ॥ਯਤਿਖ੍ਯਲੇਮਯੈਗਿਖਕ੍ਰਮੰਕ੍ਰਮਯਤਿਕ੍ਰਮੰਕ੍ਰ
ਮੇਸਯਤੇਕ੍ਰਮਿਨੀ[illegible]ਯਤ॥ਸ੍ਵਕ੍ਰਮਟਤਪਯਮਕ੍ਰਮਾਗਤਿਮਕ੍ਰਮੇਸਯਤੇ
ਮਾਨਰਤਿਸਤ੍ਰ:ਕ੍ਰਮੰਵੇਰੈਲ੍ਰਮਤਤੇਕ੍ਰਮ:ਕ੍ਰਕ੍ਰਾਂਤਾਂਪ੍ਰਤਿ॥ਕ੍ਰਮਮੇਵੰਤਦਿ
ਤਿਕ੍ਰਕ੍ਰਾਂ[illegible]ਤਿਤਧ੍ਯਮਜੁਤਤ੍ਰੇਵੰਵੇਸੰਤਿ॥ਸ੍ਵਇਯੰਵਾਗ੍ਰਜੂ॥ਮਦਮਵਤ੍ਰ
ਦਮਤ੍ਰਤ੍ਰਸ੍ਰਵਿਤ੍ਰਵਾਣਸਿਟਾਦਿ:॥ਤਮਦਦਕ੍ਰਤੰਯਕ੍ਰਾਂਯਤ॥ਤਵਿਤਿਪ
ਮੰ॥ਤਗਾਇਤਿਵ੍ਰਦ[illegible]ਲ੍ਰੇਯਮਹਤੰਇਮਿਲਮਕ੍ਰਦਿ:॥ਮਵਵਪਾਸੇਵ:ਸ੍ਵਕ੍ਰ

ਗ ਲ੍ਰ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਤਦੇਤਦੰਸਹਯੰਰਾਮਕ੍ਰਪੰਮਹਾਮਨਪਾਂਰੀਕ੍ਰਤੰਤਸਸ੍ਰਹਿਕ੍ਰਸ੍ਰਾਰਿਯਕ੍ਰਪ
ਕੈਂ~ਇਯਵਲ੍ਰਤਪਮਕੰਪ੍ਰਤਿਸ੍ਰਵਤਰਿਤ: ॥ਲਾਪਰਕਲੋ॥ਧਤਤ੍ਰਿਤਧ।
ਸ੍ਰਹ੍ਰਤਵਸਗਤੰ॥ਤੈਂਕਧਤਤਿਸ੍ਰਹਸਸ੍ਰਹਸ੍ਰੇਯੰ।ਕਦਵਿਧਯੈਕਮ~
ਤਕ੍ਰਸ੍ਰਾਰਿਯਵਿਸ੍ਰਾਤਿ:॥ਪਤਸ੍ਰਮਯੰਮਸਸਿਵੈਂਗਿਸ੍ਰਤ੍ਰਵਿਹ੍ਰਕਾਗ
ਸ੍ਰਦਸਿਦੰਮਵੰਲਰਸਿਸਕਰੈਸ੍ਰਿਸਤਤਿਨ੍ਹਲਸਕ੍ਰਸ੍ਰਨਰਿਯਸ੍ਰਕ੍ਰਤ॥
ਧ੍ਰਕਰਵਲ੍ਰਸ੍ਰਮਯਦ~ਰਮਤੰਕ੍ਰਠਗਸਿਰੈਮ~ਕਗਵਕ੍ਰਸ਼ਸੰਪ੍ਰਗਾਤਹ੍ਰ
ਤਰਸਧਿ~ਤੁ॥ਸ੍ਰਕਰੈਠਗਵਵਿਕ੍ਰਵਮਸਵੇਤੁਸਿਤ੍ਰਪ॥ਮਕ੍ਰਵਲ੍ਰਸਿਤੈਂ
ਸ੍ਰਦਤੁਇਸ੍ਰਕ੍ਰਤਯਸ੍ਰਿਤ:॥ਸ੍ਰਕਰਸ੍ਰੈਵਪਾਤੰਕਕਾਸਿਵਿਸਿਤ੍ਰਯੇਗ॥

ਸ੍ਰੀ
੫੦

ਤਖ੍ਰਿਹੁ ਅਸੋਵਾਇਐ ਅਵਿਤੁ: ਅਵਿਤੰਸਤੁਹ੍ਰਦੰਗ੍ਰਕੈ ਅਵਸਖ੍ਰਿਧੁਲਿ ਸਤੁ
ਰੰ ਪੁਅਵਿਤਰਅਦ੍ਰਸਕੰ ॥ ਵਰੇ ਰੰਸੁ ਪੁਅਕ੍ਰਾਰੰਠਜ: ਠਗਾਕੁਰੰਵਲ੍ਹੇ ਹਿਕੈ ਲਅ
ਗਤ੍ਰਪੰ ਪਕਰੰਵਲ੍ਹੰ ॥ ਮੋਵਨ੍ਹਵਅਮੋਵਅਖ੍ਰਰਿਅਵੰਸਯਅ: ॥ ਮਿਗਲਅਸੋਵਪ
ਰਿ ਨਾਅੰਅਵੈਵਨੁ ਦਗ੍ਰਗਾਏਂਅਵੰਮਿਤ੍ਰਯਅ: ॥ ਵਿਠਪਖ੍ਰੀਵਿਠਗੀਸਕੁਗ੍ਰਅ
ਤਧਾਪਿਰਿਪੁਵੈਪਲਿਧਗਾ ॥ ਧੁਲਿ ਣ: ਪ੍ਰਤੇਪੁਪ੍ਰਤੇਅਗ੍ਰਿਦਅ ਰਿਪੁ[illegible]ਗਿਰਹੁ
ਤੁਯੰਹਿਪਠਨ੍ਹਵਅਖ੍ਰਗੀਅਦਜਤੁਲਿਗੀਮਿਵੀਰਿਕੈ ਨਾਅਗ੍ਰਿਰਕਰ ਲ ਅਦਸ
ਗੁਰੰਠਗਾਕੁਰੇ ਲ ਪੁਪ੍ਰਗਾ ॥ ਤਅਦਮੋਕਰਪਵਗਹੁਗਾ ॥ ਵਰੇ ਰੰਸੁ ਖੁੰਠਗਾਰੀਯਅ
ਸ੍ਰੀ ਗਾਰਅਕੁਦੰ ॥ ਤਅਰਕੁਵਰੇ ਰੰ ਮਿਠਇਪਕੁਗ੍ਰਾਂਗਹੁਗਾ ॥ ਙਤੇਵੰਵੇਸਗਿ ॥ ਪਕੁ
੫੧

ਰਮਘਵਡਿਸੀਵਸਭਪਾਸ੍ਵਭਾਰਹਸਾਚਿ ~ ਪਾਸ੍ਵੰਯਯਵਸ੍ਰਮਾਂ ਪ੍ਰਭਮੰਰੇਏ ਰਕੁ

ਘੰਸ੍ਵਿਡੀਯਾਸਚਿ ~ ਪਾਸ੍ਵੇਜ੍ਹਾਂਣਿਕਵੇਰਮਿਡਿਤਰੇਏ ॥ ਸ੍ਵਿਡੀਯੰਪ੍ਰਰੰਮਰੀਰੰਞੁ

ਡੀਯੰਮਰੀਰੰਡਸਡੀਯੰਵਸਭਨਾਪ੍ਰਭਮਾਨਰਹਸ੍ਰਾਂਣਿਨਾਮਿਲਿਤਾ ॥ ਪਵੰਧਾਰੁ

ਯਮਯੀਪਰਮੈਸ੍ਵਰੀਤਿਕੁ ~ ਮਾਤ੍ਰਿ ! ਭਦਜੁਲਿਰੀਭਵਰਾ ~ ਤੁਪ ~ ਤੁ

ਰੁਲਾਕੁ ॥ ਮਰੀਰਸ੍ਰਲੰਜੁਲਿਰੀਰਭਰਡੀ ॥ ਤਯੰਭੇਕਰਾਏਪਿਤਿਪ੍ਰਰਮ

ਸ੍ਰੀਗੇਏਤਯਤੁਪਾਤਿਵਲਯਤੁਪਾ ॥ ਵਲੁਤਯਮੇਲਰੰ ॥ ਪਤਡਿ ॥ ਰਮਤੁਲਿਸੀ

ਸਘਸੁਕੇਜੁਤਡਿਮੇਤ ॥ ਮਰਯੋਗਿਭਤਪ੍ਰਭਮੰਮੇਕੁਤ੍ਰੰਰਨਰੇਏਤੁਤਾ ॥ ਕੁ

ਸਭੁਾਰੰਰੰਭਪ੍ਰਸੰਮ: ਤਤਏਕਰਾਗੀਭਵਰਾਗੀਰਭਏਸ੍ਰਤੁਤਭਵਧ ~ ਹਰ

ਬੁਧਾਸਿਉਸ੍ਰਹੁਵੇਬੂਲਿਕੈ॥ਤੈਕਾਲਿਖਿਪੰਸਰਜ੍ਰਤਲਵਡੁਮਸੰਸੀਵਰਾਲ
ਵਤਮਸ੍ਰਨਤਿਖਮਖੁਤਗਾਗੇਛੁਤਲ੍ਰਸਵਕ੍ਰਿਕ੍ਰਮਦਵਿਸੰਸ੍ਰਵਮਰਤ੍ਰਸ੍ਰ
ਲੁਕਵਾਤਿਖੁਤਿ॥ਤਸ੍ਰਸ੍ਰਤਰਪਿਯਾਪ੍ਰ~ਵਯਮਤ੍ਰਿਸ੍ਰਲਸ੍ਰਤਿਸ੍ਰਵਮਦ੍ਰ
ਨੈਦੇਤ੍ਰਸ੍ਰਮਾਪਿਤ੍ਰਨਲਕਾਤਵਤ੍ਰਨਲਿਸੀਰ੍ਰਤ੍ਰਸ੍ਰਿਤਫਤ॥ਸ੍ਰਣਾਣਯ
ਯੇਰੇਸੇਪਮਾਨ॥ਸ੍ਰਤੁਬੂਮਇਦ੍ਰਦਯਸ੍ਰਿਤਖਨਖਸ੍ਰਤੁਬੂਮਤੁਫਸਤ॥ਬ
ਤੁਬੂਮਇਃਪ੍ਰਸਖਤਤਿਸ੍ਰਤਃ॥ਤਨਪਿਨਲਮਖਸ੍ਰਿਣਪਿਖੰਇਯਮਲ
ਸ੍ਰੀ: ਪ੍ਰ~ਸਮਾਕ੍ਰਿਃਤ੍ਰਨਲਿਸੀਰਮ॥ਧੁਡੀਤਿਕਮਤੇਤਯਾਪ੍ਰ~ਮਨਦਵਿਸੀ॥ਤਸ੍ਰ
੪੭ ਸੇਮਕਤਮਰਦਵਰਦਲਾਨਸੀਮਿਤ੍ਰਿਮਸਮਤ੍ਰਿਸ੍ਰਮਦਤ੍ਰਨਲਿਸੀਤ੍ਰਲ

७१

मदा॥ मले तगीलाद्वये रणवं दिणहिकों~ इपन्नुपै हिधरमाजिठगरु
र्यं तिवीदपक्नेपमयपद्भजा॥ वीदंड स्वरडैघ्रुहडैयकदविधयमराएभै
स्वदं॥ स्वजतक्कतु भकुतुमहघकउंलील विरमरमभहंक्रमस्वगीहि
रठगठगवक्रमस्वरःपुविमजा॥ स्व यंक्रमस्वदम्र वरंयंवश्वमदेवेपिगयः
जि॥ भमयेतिमदद्द्वम्रउक्षिज्ञठंममभ्रदामिजि॥ भदद्दुम्रभदजीविभ
समाजिहिकों~ जुपंतक्षिवेकरोहिकों~ स्वदामिमसमिहंरंमिज्ञीदंमम
भीहजः॥ इिणठवठवरतारमरतैघ्रुहामिविधयठवपहुउविपयेस्वद
जिमनेद्धजिगीकरेणड॥ रंकरवंमरंणस्वदामिजियवजा॥ रंमराएरंवरा

प.ल.ले कयः॥ लोपिधर्म ण्डु कूः पा मेष्व दा वि मिधूः रद्भ विणः भक्त्रुठः॥ लेके
पियैरँवीदधृहपे ~ गके द्यड्रिहयङे॥ ङदपिस्त्रुह्मवरिपधु हृङ्खेयामधे
ङ्खुः पमगः॥ ङघङ्वृिधयेमरारि रीलपीङप्पएपएङ्खवएक्क्रुमिमि
पीगगरमीरंगरुङ्गृजरीयरंभमभिवभिम मयँ ष्वङ्गुेठमपदृलें मरेन॥
भंभङविणरभा॥ ष्वग्रे भ्रूयाधृलह्दृबपिभालि रभजेष्व रङ्गेष्वुह्मा मि.वि
धयङ्ख्रिध रङ्गे किङेङ्क किष्व्रिड्डूरकिष्व्रिङ्क र ~ विंभुरंभेंएक्र्रुएङ्गे॥
पी. रमनयिङिभः॥ मुडुभजेरंमरविभुरभु [illegible] क्रुपदे वा॥ भं यभजेरंमरकि
७.११ भुरंभलिरकुपदेन॥ यवडं ड्रुरलु वा॥ रं करा ष्विष्वकड्डी यंभं यङदाष्किकु॥

प्रियेउतो ॥ भवच्छेद्यर्पी० डीजकरनवरपाविवीगङ्गादिकंमदभायाप

इंगाहुहरुंपूघभक्ताएलकरगः ॥ यस्तंङ्गाल्कवो ॥ लकराद्याविवीदेवी

भमेलवरकरर ॥ पद्मस्यो० अंपत्रभवगीजभयीपरा ॥ भवगाङ्गभये

भवच्छेद्यस्तुरभयीमिवेउतो ॥ लकरउदउकूवसकः सुहुज्ञभिवसक

स्त्रसुहुविभवसस्कुभवभयवीलोरदा ॥ ह्रीडतो ॥ स्वइहुभवच्छिसीजभ

रवेहुविहुभभस्यज्ञुपः ह्रीकरगः ॥ स्वष्ट्यभजः ॥ भविभहः ॥ तेदकुर

~पूकमझकमिवभवङ्गुपरामकमम यिद्वं ॥ रेढे~ परपूल्हमडेले

भयहंकोरे~सुहुसुहुहुपंउयभवकद्यवमतमद्रे~ भवयेविहुं

उेप

ਪਰਾਵ੍ਹੂ ਵਿਸ੍ਵਤ੍ਰੂਪੇ ਅੰਬਮਮਿਲਿੰਬਸ੍ਥਿਰਿਦ੍ਰਗਾਂ ॥ ਵਿਦ੍ਰੂਵਸ੍ਹੂ ਵਿਮਿਸ੍ਥੂ
ਹ੍ਰੀਂਗੀਲੋਰ੍ਵੰਣਯਤਿ ॥ ਤਤਿਮਿਤ੍ਰੰਹ੍ਰੀਕਾਰਜ: ॥ ਉਦਸ੍ਤੁਦੁਸ੍ਤਰਮੈਂਸ੍ਵਦਮਿਸੰ
ਸ੍ਥਵਵਿਧਯੈਯਸ੍ਤੁਸ੍ਕੰਦੁਸ੍ਕਰਕਵਿਵੈਤੁਰਦੁਰਕਮੀਰਮਦੁਸ੍ਥੁ ਮਦੁਪ
ਹ੍ਰੀਂਮਾਵਰਿਜਿਤੰਮੰਦੇਗਾਵਿਤਟਤੋ ॥ ਸ੍ਵਥਵਕਮੈਂਸ੍ਵਗੀਮਜਿ: ਹ੍ਰੀਂਮਯਾਤ੍ਰੁਪਦ
ਪਰੰਮਦਮਯ ॥ ਰਤੁਸ੍ਵਸੁਦ੍ਰਮਰਿਤਵਮਯਾਮੰਤ੍ਰ ॥ ਮਦਮਯਾਯ: ਸ੍ਤੁਦੁਮੰਵ
ਮਤ੍ਰਕਰੰਸ੍ਵਥਮਿਤਿਮੇਤ ॥ ਤਯਾਤਿਪ੍ਰਦ੍ਰਜਮਿਵਰਾਥਸ੍ਟਮਾਸ੍ਥਵਮਾਤ੍ਰਮਤ੍ਰ
ਸ੍ਰੀ
ਮਦੇਸ੍ਵੰਮਾਤ੍ਰੁਸ੍ਵਰਾਮਤ੍ਰ ਪਸ੍ਤ੍ਰੰਕਸ੍ਥਵਮਿਤਿਕ੍ਰਮ: ॥ ਸ੍ਤੁਦ੍ਰਸ੍ਤ੍ਰਪਤੋ ॥ ਹ੍ਰੀਂ
ਕੋਰਮਦਲੀਸੀਪਟ੍ਯੈਰਸ੍ਵਜਿਤੰਮਮਯਤ੍ਰਵਟਮਤ੍ਰੰਸ੍ਤੁਦੁਤ੍ਰੁਪੰਮਦੰਤ੍ਰੁ ॥

तउकइ माया प्रभ नहं टैमंय ह्र मेव वोरय ति॥ मये परिमदमय सुहु वि
हु ति गीसुडे उह्र कें दि उयउ णापपविदु ति॥ हैं कमलं ह्री उ तिमि
दु॥ प्रघभक्रा ए विभमनः॥॥॥ दव प्रघमह्री गीए भ्रु उपहैं स्कु उ॥ मए भम
रमये: पाकें ति भुय उ तिमें उ॥ उप्रुउ॥ म ग स्कुइ वणदे रइ कि म प्रु
दिल्कय मा॥ दिल्के उंदि धिपा क्रुपमहक मृ उ वा सि ति उ॥ ह्री कर घ्रु इ लि सु
ग मे उम्रु ज मा॥ धंकमक्ष वि पर भमि ववसमाये पाक्रु पि श्री॥ विमम
विम ति मम यें पपापा क्रु पि श्री॥ स्वणा णाये दमामये स्पा क्रु पि
श्री रामति मि वधा मृ इधि पा गण मद मा ति भृ स्कु सुठ हु रक भु स्व

ਤ੍ਰਿਪਵਰ~ ਵਿਣ ਵਿੰਤ੍ਰੀ ॥ ਸੁਧਾਰੇ ~ ਧੇਨਾਧੇਰੇ ~ ਧੇਰੇ ~ ਸੁਮ੍ਰਤ੍ਰੈ ~ ਤ੍ਰਿਗ
ਇਯਤ੍ਰਿਪੂਣਾਰਿ~ ॥ ਸੁਮ ਵਿਕ੍ਰ ਮਦੇਸੁਵਲਙ੍ਕ ~ ਕਾ ~ ਇਯੰ ਮਞ੍ਜਿ ~ ਪ੍ਰਗਿਗ
ਦੁਪਹ੍ਰਵੰਦਸੀਯਲਙ੍ਗ ~ ਵਕ੍ਰਿ ਇਯੰ ਪੁਠਵੰਙ੍ਗਦਮਤ੍ਰਲਙ੍ਗ ~ ਮਗ੍ਰਿਇਯੰ ॥ ਤਙ
ਤ੍ਰਮਙ੍ਤ੍ਰਸੁਗ੍ਰਿਲਙ੍ਗ ~ ਧ੍ਰਵਇਯੰ ਠਵਠਵਤ੍ਰਿਠਵਾਹ੍ਰੰਲੈਕਇਯੰ ॥ ਮਦਮਤ੍ਰ
ਧਤ੍ਰਾਜਿੰਮਹ੍ਰਙ੍ਗਾਵਤ੍ਰਿਪਧ੍ਰਦਇਯੰ ॥ ਤ੍ਰਤ੍ਰਕਮਮਿਤ੍ਰਕਮਮਿਦਕਮਙ੍ਗਕਾਂਮਿਇ
ਯੰ ॥ ਗਙ੍ਗਮਭਰਭਾਰਸੁਹ੍ਰਙ੍ਗਕੰ ਙ੍ਰਿਵੇ ~ ਣਾਲਇਯੰ ॥ ਕਯਿਕਵਮਿਕਮਰ ।
ਮਿਕਵਙ੍ਗ ~ ਤ੍ਰਪਭ੍ਰਯੰ ॥ ਮਰੰਵਙ੍ਗਦਙ੍ਗਾਙ੍ਗਕਮਤ੍ਰਕਾ ~ ਇਯੰਵਿਸੁਤ੍ਰਣਾਙ੍ਗ
ਧ੍ਰਙ੍ਗਲਙ੍ਗ ~ ਣੀਵਙ੍ਗਯੰ ॥ ਤ੍ਰਕਾਮਕਾਮ੍ਰਕਾਲਙ੍ਗ ~ ਵਙ੍ਗਇਯੰਧ ~ ਪ

ਸ੍ਰੀ
੬੪

सहस्रकंवयुइयंवदमरा दकेपरिपक्वक्षिनेउ॥ मझुरणामुमे ल
का˜गुल˜इयं॥ ज्ञुउठविघ्नक्तुउभरलग˜कलइयं॥उक्कक्काहि
यलग˜ भाएरहिके˜ ध्वझुंपलगाह्वलंपिपाउिप्रायउिप
लयउिगे˜ इकिउरझुंपभझरभक्षुरिउवझीध्वझ्हिइिषराकंम
स्नुगीजुटइयापरउुरेसमक्रुमस्रुक्षिउरीया॥ यीरउमयरुपङ्गउक्ष
देठवउ॥ कङ्गलंउुविभमवःहीहलोपपराविभमवमजिम्भुधर
एटे॥ उषदसक्कलउुपिपरिग्रमः॥ भेव मङ्के लाउुंदेवम।
सुउउह्रुउिरिजंकिक्षिउ॥ मिक्षिममंविरमवक्षिकपरउमेङमत्र

ਪਪੜੇ॥ ਉਡਿ ਹੀਣੀ ਵੀਣਾ ਇਯਾਜ॥ ਮਰ ਹੀਣੀ ਵੀਣਾ ਮੁਕਥੰਕਮ ਕਲਠਮਾਰਹੁ
ਸੁਜੇ ਮਕੈ ਤ ਉਡਿ ਮੇਜ॥ ਛਿਥਰੈ ਪਾਖਿਛੁਖ ਰੇ ਤਿਕੁਮ॥ ਯਥਮੰਯਛੂ
ਕੇਰ ਹੀਂ ਕਰੇ ਦਲੋਪਪੁਰ ਠਗਾਵਗੀ ਹਿਕੁ ਏਰਮੰਰੋਦਿਲਯੋਦਿਲਯ
ਣਖਿੰਯ॥ ਮਖੁਰੇ ਹੁਪ੍ਰਤਿ॥ ਮੈਵੇਯੰ ਠਗਾਵਗੀ ਹਿਪ੍ਰਰੇ ਤਿਹੁ ਖਿਯਤੇਓ
ਤਿ॥ ਮਵੰਵਿਸੰ ਹਿਕਾਏਤ ਮਯ ਮਿਤਿ ਹਿਪਰਤੁਪੰ ਮਵ ਮਿਤਿ ਮਹੁਜ॥ ਮਵ
ਸੁ ਹਿਪਰਛੁ ਕੁਹੈ ਰਾਹਿਕੁਵ ਮਿਤਿਸ੍ਰਯਪੈਵ ਕੁਮਕੁਲੰ ਕਹੂ ਰਿਕੁਯਮ
ਦਾਸਨੁ ਮਦਵਦ ਠਗਾਵ ਕੁਕੁਰਪਮੁ ਵਿਸ੍ਵ ਮਣਾ ਰਹੰਜੇ ਵਲਕੁੰ ਪਤਿ ਸ੍ਵਵੇ
ਮਵਿਣਹਸ੍ਵਵਦਿ ਦੋਖਿਤਮਾ॥ ਯਥ॥ ਮੈਵਰੰ ਹਿਤਿਯੰਹਯੀਕੁਤਕੁਹੰਮਾਕਿ

ਸ੍ਰੀ
੩੩

ਸੀ:

ਵਿਵਿਧਿਤ:ਤਲਸ੍ਰਦੁਪਪ°ਕ:॥ਮਦਖੁਧ ~ਸਤਿਦਮੋਛਿਖੁਰਦੁਸੰ
ਣਕ॥ਮਵੈਦੁਖੁਪ੍ਰਵਿਠਮ੍ਰਰਣਦੁਸੁਪਛਿਤ:ਮ੍ਰਧ/ਤ:॥ਮਤੁਪ੍ਰਯੋਗਤੁਮਲੇ
ਰਾਣਕਕੁਤੀਰਿਤ:॥ਰੈ~ ਤਣਕਧਤੁਤੰਗਾਰ:॥ਤਣਮਿਸਤਿਰਿਲੋਯ
ਵਿਸੁਯਮੰਦਿਤਮਦੁਦੁਣ॥ਸ੍ਰਪਰ॥ਮਿਵ:ਮਤੁਪਤੁੋਯਮਿਕਵਤਿਮਤੁ:
ਠਿਵਿਤੰਸਮੋਦਵੰਮੋਵੰਸਪਲ੍ਵਤੁਮਲ:ਮ੍ਰਛਿਤੁਮਪਿ॥ਤਿਣਯੇਦਮਛਿ
ਮਤਮ੍ਰਕਮਸ਼ਤੇ:।ਪੁਣਣ੍ਰਸ੍ਰਮਸਰਾਂਗਸੁਦੁਮਜੇਮਤੁਮਦੇਸ੍ਵਗਾਛਿਪੁਮਸ਼
ਤਰਤਸ਼ਤੰਮਕਿਛ੍ਰਿਮ੍ਰਇਰਿਤੁਪੁਤੇ॥ਯਬਤਤੁਤਵਛਿਮਵਮਤੁਮਦਰ
ਸ਼ੀਠਦੁਰਿਕਯਮਿਸੰਤਮਿਵਰਥਰਮਯਰਣੈਸ੍ਰਪਪੁਕਮਧੁਕਸਵਸੁ

ਸੀ:
੩੫

ਪਵਸ੍ਵਿਤਿਲਹ ... ਰਹ੍ਰੁੰਵਿਸੁ ... ਤਿੰ॥ ਯਸਤਯਦਵਸਝਗਭੇਸ੍ਵਰੇਤਿਹੁਪ
ਦੇਸਿਲੋਕੈਏਤਿਭਗਾਭਤ॥ ਏਂਮ ਰਭੇਸ੍ਵਦੰਮਾਤ੍ਰਿ: ਭਭਣ੍ਹਸਿਣਰਗਤਾਭੀ
ਮਾਰਠਵਸ੍ਵਰੀਸ੍ਵਰਕੰ ਧਭਹੁਣੇਤ॥ ਤਉ: ਪਾਸੈਸ੍ਵਦੰਸ੍ਵਵਿ ਭਸ੍ਵਵਲੋਂਹੁਗਾਠ
ਵਰਹੁਖ੍ਰਿਤਿ: ਪਗ॥ ਸ੍ਵਰਥਾਂਗਤਿਸ੍ਰੁਸ੍ਵਤ੍ਰਿਵਿਭਸੋਰਾਸਿਕੁਠਾ॥ ਪਵੰ
ਭਸਸਿਵੇਸ੍ਵਰਸਸ੍ਯੰਭਸ੍ਰਭਯਭਪਿਸ੍ਵਦਸਿਸਸਿਤਿਭਭਪਤਤਲ
ਪਏਟਯੇਰਵਿਭਸ੍ਵਯਸਤ੍ਰਿ॥ ਸਿਵਰਥਰਭਸ੍ਰਤਸਪਿਤਸ੍ਵਲਿਕੁਸ੍ਵੰ
ਰਸ੍ਵੀਠਹੁਰਿਕਯਕੈਂਭਕੁਲਯਤਸ੍ਵੈਸਤੰ॥ ਪਰੰਤਭਸਸਿਵਤ੍ਰੁਪੰਤਸ
ਭੰਸੋਂਹੁ ... ਸ੍ਵਦਸਿਸਸਿਤਿਤਸ੍ਕਪ੍ਰਣਤੇਦਭੰਸਰ ... ਸ੍ਵਭਲਕੁਜ॥

ਸਸੁਰੁ ਹੁੰ ਨਾ ਕਿ ਛੁ ਕਿਤਾ ॥ ਸੰਸਾਰ ਨਾਵੇ ਪਿਆਰ ਦ ਮੰ ਮੰ ਏ ਮਹਲ: ੧ ਸਭ ਦ ਮਿੰਠ ਮਿੰਠ
ਉ ਸੰਠਗੇ ਧਵਦੰ ਠਗਾ ਖੁ ਰਿ ਪਿ ਛਰਗ ॥ ਭਾਲਿ ਹਮ ਝ ਪਿਤ ਕਿ ਛ ਛਿਮ
ਸਰ ਸ੍ਰੀ ਮਦ ਛੁ ਗ ॥ ਰਿਹ ਸ੍ਰਾਪੁਮ ਝਮਮ ਯੰਡ ਯਠ ਖੁ ਸਿਵਰਸ
ਬ ਤੋਂ ਤਿਵ ਵੇਹ ਪਸ ਨ ਮਦ ਰੰਮਮ ਸ੍ਰਿ ॥ ਤਘਾ ਪਿ ਤੁਹੁ ਸਿਮ ਝਗ ਦੀ ਉਂਦ
ਵਠ ਵਰੰਤ ਗਸ੍ਰ ਮਦ ਪਦ ਤਮਾ ॥ ਯੇਵ ਤੰ ਖੁਹ ਟ ਸੀ ਯਤ ਪਲ ਸ: ਤਾ ॥
ਯਸ ਘਪਾਸੇ ਸ੍ਰਾਹੁ ਕ ਰਾ ਸੂ ਯਿ ਰੀ ਸਿਵ ਖ ਸਿਰੈ ਵਿਮਮ ਮਤਿ
ਰੇਵ ॥ ਸ੍ਰੁਹੁ ਵਿਹੁ ਯੰਡ ਸ੍ਰਦ ਸਿ ਸੋਰ ਕੇ ਝ ਵਠ ਸੰਵ ਕਿ ਛਿ ਸ ਲਿੰਟ ॥
ਉ ਤਿ ਸ ਮਡ ਵਨੈ ਵਘਾ ਸ੍ਰੁਹੁ ਝਮਾ ॥ ਰਮ: ਸਿਵ ਰਾ ਹੋ ਦਿ ਏ ਤਗਾ ਤੰਤ

ਸ੍ਰੀ
੩੫

रवन्न यय्व ॥ मदंसि यडणरभुविलयंरमडणाभि ॥ उहसतिपुयरि
रकंभस डगुएयुगहएटु भः ॥ १ ॥ डश्पयमभसगुएविलूयाग
भवमरः ॥ पवंविणसगि विभस भसिवैपिभकमसगरपविवेकसगि
रलिडसगुपसडगुडभदसुदरिप्रलदडगुडिगुसिडैवनसु
एलकवगिसिवगुसवंवगु भः सलः सुमसहसडा ॥ उहेरगु
उगुसभसकंसिगीयंगुएपंडि ॥ दसकदलहींडडि ॥ उदसभया ॥
सडगुकेभसगुएपगुपसगगारणादविकडसडगुपडिरपरस
गुसिग्निभसरगुसपगु उहसतिपुयरिरकंभसडगुएयुगसम

ਸ੍ਰੀ

੩੭

ओं स्वमः ॥ उदंपुरवंमयस्कुणविलयजमवमरः पर्वाणाव
मदापेलसंपारिभितप्रभक्तमसेयाथज्ञीकवोंति ॥ प्रदभिसंमवंएरभि
कवोंभिउतिप्रलुदत्तविभमंमहणातिव्रतैवति ॥ भमडम्बीजतपा
क्लिवमदविमेधतुः प्रवेंमरुमयंदमउहेवंविमम हवति ॥ मकुं
विद्धविभजप्रएरभिकवोंभिमवभिहत्तरप्रमादिमुरप्रउ ॥
हुधुपारिम हसंयमित्रउपरुधवगुहुपरामरेपु रक्ष्प्रुतिउमे
दयतुणीहूमयकुमलस्वयमाज्ञिहुप कमभुरभुजपलिये
मलाणरहहमतुंयवमदयम्नुल्लुकलिकवृमाए्तुडउहुड ॥

ਪ੍ਰਲਭਮਰਤਸ੍ਰਕ ~ ਬਭਲਗੋ ~ ਬਦਿਸ੍ਰਸ੍ਰਤਠਿਬਬੇਸ੍ਰਪਥਸ੍ਰਕਭ
ਧੀਯਭਲਸੁਠਸੁਠਬਮਰਸ੍ਰਕਕਸ੍ਰਭਲਾਪਮਿਤੇਸ੍ਰਸ੍ਰਦਿਦੇਮਲਾਪਭਤੇ
ਖਿਮਣਤਿ॥ਦਮਤਹਤ੍ਰ:॥ਤਕੁਮੇਦ:ਦਿਸ੍ਵਮੇਮ:ਖਦੇਮ:ਮੇਦੇਬਤਤਿਲ
ਪਤਿਤਸ੍ਰਿਦ੍ਰਾਪਿਮਤਿਸ੍ਰ ~ ਖਿਭਸ੍ਰਹੁਲਾਤੇ॥ਬਿਹਯੇਹਯਬਿਹਯੇ।
ਬਮਤੇਦਲਾਦਮੁਦੇਤਤਿਮਦਠਤ੍ਰਲਾਰਨਤਮੁਬਰਸ੍ਰਾਦਿਹਬਿਮਸ੍ਰੇਸ੍ਰ।
ਦੇਤਲ੍ਰਿਕ:॥ਤਦਪਿਦਿਖਿਮਸ੍ਰਰਸ੍ਰੀਤੇਮੇਬਤੇ॥ਪਰੰਤਤਿਰੰਣਰੇਦਕਰੇ ~
ਸ੍ਰਦਤੁਪਧ੍ਰ ~ ਪਰਮਸ੍ਰਮਕਰੇ ~ ਮਕੁਤ੍ਰਪਪਰਮਸ੍ਰ:॥ਸ੍ਵਿਣਧਸੁਿਧਕ
ਮਰਿਭਸ੍ਰਮਤਦਕਸ੍ਰਤਾਰਖਕਮਮਤ।ਮਕਾਰਤਾਰਬਿਮਸ੍ਰਮਤ॥ਧਕ

ਸ੍ਰੀ: ਪ੍ਰ

੧

ਸਬਿਸਨੈ ਮਿਲੁ ਸਮਾਉ॥ ਤਕੁ ਪੰਦਸੇ ਤਿਵਲਹ੍ਵਯੇ॥ ਤਘਸਾਹਿਬ ਪੰਪਦਨਿ
ਧਰਾ॥ ਤਸੇਵੰ ਮਿਵੰਸਕੁ ਸ੍ਵਕਸਵੇ ਦਿੜੰ॥ ਮਿਵੰਯੰਪਰਸੰਦੈਵੰ ਸਤ੍ਰਿਧੇ
ਤੁਣੀਵਤ॥ ਪ੍ਰਦਸਦੁਸਸੈਦੰਗਾਕੁੰਸਖੁਸ੍ਵਸਸਪ੍ਰਤੇਤਜ੍ਰਿ॥ ਮਿਵੰਦਕ
ਰ: ਣੀਵਤਸਕਰ: ਖੂ-ਤ੍ਰਪੰਰਸਖੁਕੁੰਸਤਤਿਦੰਸਣਪਵਲਹ੍ਵਯੇਪਿ
ਤਸ੍ਵਸੰਪੁਕਸਵਿਸਸ੍ਵਜੁਰਸਪ੍ਰਤੇਤਤ੍ਰਜ॥ ਦਤ॥ ਣਪਣਪਣਿਕਰ
ਸਦ ਕੁਤਤਿਕਕਰ: ਪੁ~: ਦਸਜ੍ਵਰਤ੍ਰਯਸ੍ਵਯਤਤ੍ਰਜ:॥ ਤਕੁਸੰਦਿ
ਸ੍ਵਸੰਦਿਧੁ~ ਦਮ੍ਵ: ਸੈਤਤ੍ਰ ਸ੍ਵਤੁਰਣਪਸ੍ਰੀਕਰਤ੍ਰਤੰਧੁ~ਤ੍ਰੈਪਪਿ
~ਤ:॥ ਧੁਸੰਵਿਸੁ~ਪਰਿ~ਤੰ ਦਤਸ੍ਵਹੁਯਤੰਧੁ~: ਸਧੁ~ਸੁਦਵ

वड्रांउ हमिस्रु तें ॥ येज्र ॥ दक्रोंगगगंवड्रभंक्रुत्रुरेंसमकरयेणी
ववनठवेर णीववनेपिवद्रविाः दवउिदड्रगधि ठमेरद्भउि
ड्रयभेवगिक्रर ~ भणयस्रभक्रुउः स्रुकुमसगीरंवुड्रउरेवगिस्रु
ड्रयस्रुभ्रुदेनैड्रमड्रुभउहमिस्रुतेः ॥ भंयगुद ~ ण िउड्रुस्रउठ
वेरपनड्रुपेसउः उ डूभयउिः पनड्रुपरंयतेउउिस्रुतेः ॥ मेउद्रु
सीः रघभ्रुणीववनभ्रूठववड्रगपस्रुठवड्रीकेर ~ भ्रुउक्रुउदेउ ॥ र
पसभयड्रुउड्रुड्रउ्रएमभदसंभदेमध्रु ॥ देवीभायमउिः वंध्रुव
३६ र ~ सिवभ्रेउ सिउिवमरउ ॥ नवमित्रघभ्रपस्रुठवेपिसेवउि

ਦਗ ਮਿਥਿ ਣੀਵਰਜੇਖਪਸੰਮਦਰਸੈਂਕਮਦਕੁਮਥਮਿਕ੍ਰਿਸੇਥੋਸ੍ਰਿਤੁਰੰਸਰਙਨਕ
ਰ~ਲੀਲਿਯਭਡ॥ਮਵੇਥੰਡਲੁਵਮਿਡਿਸੇਤ॥ਮਿਵਭ॥ਮ ਰਦਸੁਪਿ
ਸਭ॥ਮਿਡੁਦਮਵਸਦੇਖਵਿਮੇਥਰਸ੍ਰਿਤਰਮਿਤ॥ਖਤਸ੍ਰਤਦਯੰਮਵੰਕ
ਵਯਕੈਰਵੈਠਵੇਦਿਤਿ॥ਯਡੁਮਿਰੰਠਦ॥ਤਕੁਸ੍ਰੰਵਹਿਯਵਦੇਦਵਿਸੰ
ਥਪੁਵੇਮਙੁਰਦਣੁਥੰਣਪੇਵ॥ਕਮਰੁਠਲੈਕਸੇਦਮਦਦਵਡਿਸੇਮਸ੍ਰ
ਹੈਵਰਮਦਮਿਵਰਥੰਕੁਹਤਿਹਿਮਿਕੀਏਦੰਸਮਖਕਪਡਿਕਪਦੁਤੁੰਮ
ਤੁਮਣ ~॥ਰਕਥਿਕੈਸਤਿ॥ਵਮਦੇਵਃਮਵੰ॥ਮਯਿਮਵਮਿਸੰਪੈਤੰਮ੍ਰ
ਹਸ~ਗਲਤਵ॥ਯਸਵਮਹਿਕਠਵਰਣਮਭੁਮਮਙਵ॥ਮਤਵਠਿ ਮ +

उ द्वि ष्ठि उ इ सि उ प रि ष आ द ध न्त्र मं र म ~ पि॥ किं ये र मि व ह्वे उ
वि ध्दा ~ त्रु न पा॥ य इ ञ्च मी रा मि स्कु ल्ला र ह्रि य भ्र त्ति उं प व वि ह क
ल ध्व ग पि पि पी लि क मी र भ पि उ हे उ क्षि व भ यं वि ह्वं वि म म। ये र उ व
ती उि र ह्रै उ वे ग॥ धु ञ्च भ द र भ य ~ प्रे उ दै व भ क्त म्र न्न न प मि धुं य प
इ ह्म वि ह्लि ह न ह स्त्र्य ह ञ्चु व त्ति भ व उः॥ उ म दं मि ह्र पः भ वं क रै भी हे
व उ व यु उ उि॥ ञ्ज उ प उ [illegible] मि उि मि उ॥ य उः॥ ये वं मि ञ्च ग न उे ग ञ्च प
~ हं भि उ ञ्च रे॥ प र वि व र क्रै म ञ्चु मे व मि क्री ए क्रै म रे ड उि उ अ व ञ्च ग
मे दे ह्नि या मि प उ णी वा रं प र भ ह ह उि र कः॥ मि र मी रं ञ्चु रों भ य म गी र

सी
७७

ਦ੍ਰਿਯਾਣਿ ॥ ਸਤ੍ਵੰ ਪ੍ਰਜਿਵ ਸਰੀਰੇਂਦ੍ਰਿਯ ਸਿਕੰ ॥ ਪਹਿਲੇਂ ਵ ਯਥ ਵ ਸੇਵੰ ਸਗੀਰੇ
ਦ੍ਰਿਯਣਿ ਤਸ੍ਸ੍ਵਰ ਗ ॥ ਸਰ ॥ ਧਦ੍ਰਤ ਰਿਸਿਵਰਾਈਂ ਸਦ ਸੂਣੈ ਕਵਿੰਸਤਿ: ॥ ਦੰ
ਸਦੇਂ ਸੇਤਿ ਦੰ ਸੇ ਤਿਲੀਵੇਂ ਲਪਤਿ ਰਿਤ੍ਰਸ ਤ ਤਿਰਯੇਰ ॥ ਯਿ ਦਦ ਤ੍ਰਿਸੰਸੇਂਦ ਸਿ
ਤਿਲਲ੍ਦ ਤਿਤਦ੍ਰਿ ਕਿੰਕ੍ਰਤ ਸਸ੍ਰੰ ॥ ਯੇਰਯੰਪ੍ਰ ਸਤ ਸਸਕ੍ਰ ਵ ਸਕਦ੍ਰ ਤੇ ॥ ਸਵਰ
ਸੇਦ ਸਿਤਿ ਵਿ ਸਸ੍ਰ ਸ੍ਰ ਸਲਠ੍ਵ ਸਿ ਤਿਸੇਤ ॥ ਸ੍ਵਤ੍ਯ ਸਿਪੀਥੇਂ ਸਵਰ ਸਵਸ
ਸਿਤ੍ਰ ਧ: ਪਾਸੇਂ ਸ੍ਵ ਗੋਰਿਵਿਸੇ ਧੇਂਵ ਸਤਿ ॥ ਤ ਰੈਤ ਵਸ੍ਰ ਸੇਵਤ ਦ੍ਰਿਪ੍ਰ ਸੀ ਵਦ੍ਸ
ਵਿਏਣ੍ਸ ਸਛਲਿਤ ਵੰਠ ਗ ਰ ਸ ਵਿਕ੍ਠਵ ਸਸਤ ਵਸ ਸੀ ਪੰਕ੍ਤ ਸਾਤਿ ॥ ਧ
ਰੈਸਿ ॥ ਤ ॥ ਸਤਤਤ੍ਰ ਸਵਯੇਵ ਸਿਕ੍ਰਿਸ੍ਰ ਤ੍ਰ ਸ ਤ੍ਰਸਣ ਸਾਰ ਲ ਸਿਕ ਸਰਤ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मिहरवान पदतुं मुझमविमत्रः॥ धुघमकु एजकिमउयेगिउ॥उ
मनतुगमेवश्रणीमदी उहतुंकिगीयकु एकि धयः प्रवंभमंउः॥ध्र
धराझगीयकु एजेंयेंणायिउभवभरः मुहेवा पदयधु धम्लप
मेःधंमवकुभं मिरघ धुवयमेवमवपुउकुमवगदमाकिधुवदकुमले
वउराउि॥उमनवमेपिध्रवकुपधुकमाकिउिंधरवधुवउवउि॥उहेउम
दा॥झगीयकुएं॥मकलहीउउि॥म॥मकरःधुभगकुकमेनधुकुय
धरापि॥ललेपिधुहउमदवमेवेदुधुवरुधुवरेउवेमिहदीवजः॥यद्रभउ
उि॥मःप्रवधुरतुः दंमदंमणपवेरापियेपहमिवगउ विम्भाउव

धजीयधदग

ਪਰਮ੍ਰ ਬ੍ਰਹਮ ਹਸਿਲ੍ਲਯ ਸ੍ਤੁਤ੍ਰ ਦਵ ਅੰਕ੍ਰਤ: ਦਤਸ੍ਰੇਵਦ੍ਰ ਅਕਲ ਕ੍ਲੀਂ ਤ੍ਰ
ਸ੍ਵਧਸ੍ਵਾ· ਅਕਲ, ਤ ਤ੍ਰਿ ਅਕਲ ਭਿੰਸ ਸ੍ਤੁਤ੍ਹ ਤ ਅ ਸ੍ਤੁਤ੍ਹ ਤ ਰ ਸ੍ਤੁਤ੍ਹ ਸ੍ਤੁਤ੍ਹ ਸ੍ਵ ਤ
ਤ੍ਹ ਤ੍ਰ ਯ: ਸ੍ਤੁਤ੍ਹ ਤ ਅਹੰ ਹ੍ਰੀਂ ਠਵਤਿ ਪ੍ਰਵੇਕ੍ਰ ਅਯਮਕ੍ਰਿਰਵੇਹਤ: ਦ੍ਰਤ੍ਹਯ
ਰਤ੍ਹੇਧਕ੍ਰ ਅਕਲ ਵਿਤ੍ਹਯ: ਕਸਿਵ ਅਵਸਛੁਤ ਸਤਯ~ਵਸਿਵਸਿ(
ਤਿਕ੍ਰਿ ਅਤੰ ਹੈਂ ਕ੍ਰਦਤਸ੍ਹ ਸਿਸਪਤ ਤਿਸੇਤ੍ਰ ਅਹੰ, ਪਸ੍ਤ੍ਰਸਸਹ੍ਦਸ੍ਰ(
ਠਿਧ੍ਯ ~ ਕਸਿਵ ਅਵ ਧੈਕ ਸੀਪਸਕ੍ਰ ਅਤਸਪਿ ਅਭੀਸੀਂ ਸਵਧੈਕ
ਸੀਠੈਸਵਦਵੈਟ ਧਕ੍ਰੇ~ਵਲਿਤ: ਲਛ੍ਹੀਪਰ ਅਸਵਗੁਵੰਸਯ:ਤਘ
ਅਯਾਂ ਲਿਵੀਸਾਵਲੰ ਧਪਿਸਤ੍ਹ ਪਸ੍ਤ੍ਰਸਸ੍ਤ੍ਰ: ਧੈਕ ਸੀਤ੍ਹ ਅਤੰ ਯਸਦਕ੍ਲਦਲ

…कारः ह्रीं श्रीं क्लीं [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री [illegible]

२२ [illegible]

ਪਰੰਤੁਵਰੇਛਾਣਿਤੁਧੰਹਿਰਿਕੀਏਕਤੁਮਸਿਤੁਰਾਲਰਿਹਮ॥ ਸਦਾਮਿਟਿਕੇਸੁਭਮ
ਮਤਿ: ਸਮਾਪਤੰਬਹੁੰਰਾਣੀਸਰ~ਹੁੰਸੂਪਰ੍ਹਾਤਗਿ॥ ਬਹੁੰਧੇਤਸੀ॥ ਤੁਵਰੇਸੀ
ਹ੍ਰੀਕਾਰ: ਤਸ੍ਰਮਣਿਤੁਧੰਹ੍ਰੀਕ੍ਰ▽ਤਤ੍ਰਸਿਧਿਤਸੀਤ੍ਰਪਸਿਹਜ:॥ ਇਤ੍ਰੀਏ=
ਵ੍ਰੰਤਵਤ੍ਰੀਏਕੇਸਰਾਣਤ੍ਰੀਏਸਤਿਤ੍ਰੀਐਰਾਛੂੰਕਰਿਤੰ। ਤਘਸ੍ਰੁਸੰਦਵਧੰਕ੍ਰ▽
ਤੰਤਹ੍ਰਦੇ: ਸ੍ਰਕਾਤਰਾਲ: ਓਂਕਾਰਏਂਕਾਰਹ੍ਰੀਂਕਾਰ: ਵਿਤੰਯਸ੍ਰਮ੍ਰਤੰਤਵਜ੍ਰਵਿੰਟ
ਧੇਤਸੀਧਯੰਤੁਸਤਹਜ:। ਤਰਾਲਸ੍ਰਓਂਕਾਰਵਸਕ੍ਰਦ੍ਰਸੇਵਹ੍ਰਤੁਸਸਿਤੁੰਸ
ਨਮਯ: ਸਤ੍ਰਕੁਸਲਪਿਥਦੁਸਵਸਦੁਤੁਵੇਰਗਾਸ੍ਰੁਤ੍ਰਮਿਸ੍ਰਦਸਕ੍ਰਾਵਿਕ੍ਰ
ਜ੍ਹਵਸਿਮਤਯ: ਤੈ: ਸਮਾਪਤੰ॥ ਸ੍ਰਮੈਪਮਕ੍ਰਾਸਤ੍ਰਸੀਤੰਤਤ੍ਰਮਤੇਸਦ੍ਰਤੁ

ਤੇਸਿਰਸੈਪਰਧਰਧਰਾ ॥ ਕੜਾਂਵਲਹੀ ਦਮਕਦਲਹੀ ਭਕਲਹੀ ਤੜਤਿੜ
ਤ੍ਰਿਪਤ੍ਰਿ: ਰਸ ॥ ਕਲਹੀ ਤੜਤਿਕ ਭਪ੍ਰਤ੍ਰਿ: ॥ ਦਮਕਲਹੀ ॥ ਦਮਕਦਲਹੀ
ਤੜਿਲਿਪਭਰਹੁਲਾਪ: ॥ ਕੜਦਾਂਵਲਹੀ ॥ ਦੜਕਵਾਂਵਲਹੀ ॥ ਭਦਕਵਾਂਵਲਹੀ
ਤੜਿਭਰਰਸਭ: ॥ ਤਹਦਿਕਲਦਲਤੇਸੈਤੇਸੈਰਭਟੋਯ: ॥ ਯੰਘਿਤ੍ਰਸੈਸਦਠਿ
ਬਿਰ~ਨੁਤੰ ॥ ਸਵਬਹਬਸੈਸਬਿਲਾਪ: ਪਰੇਤ ॥ ਤੇਂਕਾਰਬਿਹੰਗਸਦੀਨ
ਸ੍ਰੀ ਯਫਤ੍ਰੀ ॥ ਬਿਹੁਦੀਰਸਦੀਰਫਚਭ: ਪ੍ਰਲਿਤਕਬੇਦਿਤਿ ॥ ਕੁਵਾਂਲਦੀ
ਤਹਦਿਹੁਪੰ ॥ ਠਘਾ ॥ ਗ~ਸਵਦ੍ਵਕਤੁਤਤਿਬੈਸਧ~ਰਪੂ~ਬਧੇਤ
੨੫ ਸੀਸ੍ਰਪਿਤ ॥ ਯਘਾ ॥ ਹਿਕਜਬਿਬੇਕੈਰਸਪਛ੍ਰਭੁਵੀਬਿਵਰ~ਮਸਿਤ੍ਰ ॥ ਤ

ਤੇ ਪਿਛੁ ਵਿਛੰ ਤ੍ਰੁਕ ਮਧਸਯਤੇ॥ ਵ੍ਰਮਲਿ ਸਯਤੇ ਮਚੰ ਣਾ ਗੰਨ ਵਰ ਣਾਗ ਮਸਿ
ਤਿ॥ ਤਰਾਲ ਸ੍ਰਵਲ ਤਰਾਂ ਸ੍ਰਮਪਿਵਮਕਹੇ ਦਿਯਮਿਤੇ॥ ਤੇਂ ਕਾਰ ਪ੍ਰਘਟੇ
ਕ੍ਰ. ਮਿ ਵਿਹ੍ਰਯਰ ਰਿਯਮੰਰ ਮਿਹਤਿ॥ ਤਤਿਮੇਤ॥ ਮਹੁ ਸ੍ਰਮੇ ਦ੍ਰਿਮ ਹ੍ਰਸ੍ਰ ਵ
ਖੰਰ ਮੀਪਕ੍ਰੋ ਠਿਦਿਤਃ॥ ਰਿਮ੍ਰਮ੍ਰੇਦੰ ਵਿਸ੍ਰਿਪਮ ਸ੍ਰ॥ ਤੇਂਕਾਰ ਵਮਕਤ ਯਤਿਸ੍ਰਿ
ਮਹ੍ਰਘ॥ ਕਮੰਯੰਤਿਃ ਕਮਲ ਵਸ੍ਰਪਲਿ ਤੁਦਦਮ ਮਤਗਿਸ੍ਰਹ ਮਿਕ੍ਰ
ਧਾਗੁਦਮ ਕਲਮਯਯਾਮਪ੍ਰਕ੍ਰ ਹੇਧਾਵਿਸ੍ਰਮਤ ਮਿਵਿਹ॥ ਤਤਿ ਹ੍ਰਿਮੁੰ
ਮੂ: ਪਤਿਪਸਿ॥ ਕਮਃ ਕਯੰਦਿਤਿ॥ ਕਮਲਾਂ॥ ਵਸ੍ਰਪਲਿ ਲਕਾਰ॥ ਤੁਦਦ੍ਰੀਦ
੨੦ ਮਦਮੰਮਤਗਿਸ੍ਰਿਕਾ॥ ਸ੍ਰਹੰਦ੍ਰ ਕਲਾਃ ਮਕਾਰ ਕਕਾਰ ਲਕਾਰ॥ ਮਯਾਂ ਹ੍ਰੀ

ਤੇਦਲ

वधकुभकल विष्णुपद्मसमान्ध पक्रमीवद्धविणभठी विश्वभत्स
कलशानवीधेंडसक्वगीठवडि कुघमिहदेडगंठ विमेव~ भट्
यठः स्रुदिविष्णु स्रुदेकादिखघमं विष्णुवेसत्रुपविक्वगाठः ठें
करवीलंयष्ट म्क्रुदिविष्णु विष्णुवीलं ठेंकुरभटिसठ्ठुठकली
वविधेकमीठवगीहठः ववविष्णुसघटकुघभक्ष्वचयकुवं (७
ठिमेठ सववेसवसंदिविष्णुभवेसंभविठिपिहठः वेसंस
विष्णुस्रुकंविक्रुपवविक्षुरः स्रविकगावेसंविक्वः वेसव्विष्ण
ठुपमिडठहठ स्रविकगावेसरम्येविक्वः भवव्हठ्विकः ठेंकुर

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਤੈ ਸਭ ਕਉ ਆਲਕੁ ਤੁ ਦੇਵਣ ਹੋ ॥ ਤੁਧੁ ਵਿਣੁ ਗਾਵੈ ਸਰਬ ਜੀਅ ਕਉ ਬਿਨੁ ਤੂ ਪੈਕ
ਸਹੁ ਸੁ ਭੁਲ ਮਹ ਹਯ ਜੀਅ ਕੰਪ ਤ੍ਰਿਣ ਗੜ੍ਹੰ ॥ ਉਕਾਰ ਸੁ ਤ੍ਰੈ ਸਰ ਸੁ ਦ੍ਰੁ
ਥੁ ਦਿ ਸਿ ਸੰ ॥ ਸ ਕਾਰ ਸੁ ਯ ਣਾਸ੍ਰ ਪੁ ਤੁਰੈ ਵਿਕ੍ਰ ਤ੍ਰੁ ਪੰ ਮ ਕਾਰ ਸੁ ਸ ਮ ਗਾਣ੍ਹ ਦਿ
ਦੁ ਬ ਲੈ ਕੈ ਨ ਹ ਜੀਅ ਕੰ ਪ ਤ੍ਰਿ ਸ੍ਰ ਮ ਯ ਹੇ ਸ ਧ ਵਾ ॥ ੳੈਂ ਕਾਰ ਸੁਜਾ । ਤ੍ਰਿ ਸ੍ਰ ਮ
ਯ ਹ ਜੀਅ ਪ ਸ ਕ ਢ ਨਿ ਖ ਯੇ ~ ਗਾ ਲਿ ਤ ਕ੍ਰ ਰ ਸਿ ਵ ਲੈ ਵਿ ਣ ਗਾ ਵੈ ਸੰ ਰੰ ਵਿ ਤ੍ਰੈ
ਤ੍ਰੈ ਕਿ ਮ ਪਿ ਙੰ ਬੁ ਦ੍ਧ ਪਿ ਰੈ ਣ ਯ ਤਿ ਖੁ ~ ਵ ॥ ਮ ਮ ਤੁ ਪਿ ਙ ਸਿ ਦ੍ਹ ਪੰ ਲੈ ਵ ~
ਯ ਕ੍ਰਾ ਹੁ ਗਾ ਢ੍ਰਿ ਕ ਯ ਰੈ ਣ ਯ ਤਿ ॥ ਉ ਤਿ ਸ੍ਰ ਵਿ ਣ ਗਾ ਵੈ ਸ ਰ ਜੀਅ ਬਿ ਨ੍ਹ ਲ ਹੁ
ਨ ॥ ਵ ੳੈਂ ਕਾਰ ਸੁ ਯਾ ਸਿ ਸੁ ਮ ਹ: ਭ੍ਰੁ ਲ ਤੁ ਨਿ ਦ੍ਰਿ ਸ੍ਰ ਮੰ ਯ ਸਿ ਦ੍ਵ ਸ ਕ ਵੰ ਤ

ਸ੍ਰੀ

ਮਮੰਨਰੀਏਮਹਾਰਾਜਤਤਭੂਪਾਦਿਤੰਮੈਤਰੁਮਹਰਮਾਇਧਰਹਜੋਜ॥ੳਸੁਅਪਿ
ਰਪਨਿਹਾਰੋਰਮਿਆਇਲਹਾਂ॥ਪਵੰਮਤਲੁਮੋਕਮੁਧਿਇਟਕੰਪਰਿਪ੍ਰਲੋ
ਮੁਕੁਰੰਨਮਾਇਰੁਮ॥ਤੈਕੁਜਾਨੁਉਤਿਸਿਹੁਮਾ॥ਅਪਿਮ॥ਵੇਮਰੰਥਿਕੁਰੋਖੁ
ਰਉਤਿਪਦਯਮਾਇਯਹੇਵੰਤਹਿਬਿਡਰਥਮਸੁਯਾਤਿਹਲਤੋਥਿਹਗਾਵੇ
ਸਨਮੇਵੁਤਪਸੂੰਪ੍ਰਬੁਤਰਹਦਿਤਿਮਿਤ॥ਮਹੋਂ॥ਯਹੁਪਿਮਵਖਪਸ੍ਰਭ੍ਰਬ
ਤਰੰਮੰਵੇਮਨਮੇਵ॥ਤਘਪਿਤਸੁਵਮਕੁਙਤਿਦਿਡਮੇਰਮੰਵੇਮਰੰਮੰਵੁਤੁਧਮ
ਕੰਮੰਵੇਤਾਂਪ੍ਰਬੁਤਮੰਰੋਣਯਤਿ॥ਰਤਸੁਤਤੁਮੰਵੇਮਰੰ॥ਮੰਵੇਮਨਸੁਮੇਵਡਿਬਿ
ਸੁਤੁਹਮਿਤਿ॥ਤਮਦਮਪਿਮਕੁਮਾਡੰਵੇਡੁਲਕੁ~ਸੁਡਮਵਖਕੁਮ॥ਮ

ਙ੍ਹਤਮਤਪਮ੍ਹੁਤਿਙ੍ਹਰਮਣਇਵਿਸ੍ਰੁਤੋਮਨਵ॥ਕੰਯਸ੍ਥਿਤਕ੍ਰਿਯਾਙ੍ਹ

ਙ੍ਹਤੰਮੰਵੇਦਨਮਪਿਯਥਕਥਚ੍ਛਿਦਨਮੀਯਤੇ॥ਮੰਵੇਤੁਸ੍ਵਤੰਨਵਿਣੁ

ਙ੍ਹਸਲਖੁ~ਰਿਹਿ:ਪਰਮੇਸ੍ਵਰਾਕੁਦਸਿਮਪਿਹਿਤੋ॥ਤਇਙ੍ਹੰਸ੍ਵਤਸ੍ਮਿਤੰ

ਕ੍ਰਿਯਾਕਯਾਸ੍ਥਿਤਮਤੀ॥ਪਚੋਧੁਪਲਹੋਤਤਯਤੁਙ੍ਹਪ੍ਰਹ੍ਵੇਤੇਠਤੁਤੁਤ੍ਵ

ਵਿਙ੍ਹਤੰਮਾਕੈਰਵਿਪਰੀਯਦਿਤਿਙ੍ਹੰਪ੍ਰਥੁਤੰਵਿਸ੍ਰੁਤੋ॥ਪ੍ਰਥੁਤਮੇਵਿ

ਙ੍ਹਤਾਰਿਤਤੁਕਿਧ੍ਯਵੇਣਕੁ:ਪ੍ਰਵਤੁਨਸਮਧ੍ਵ:॥੫~ਵੇਸ੍ਵਨਮਇਤੋਪ

ਸ੍ਰੀ ~ਕੈਸਦਤੋਧਨ:॥ਖ੍ਵਕਾਮਪਿਸੇਤ੍ਰਤਤ੍ਰਨਯਤ੍ਵ~ਵੇਨਮ:ਤਿਙ੍ਹ

+੭ ਤੋ॥ਮਾਰਸ੍ਵਤਸ੍ਤੁਇਕਾਸਿਤ੍ਵਜਵਨਕਤਸੇਮਨਾਸ੍ਵੈਪਰਿਵਸਾਤਿ॥ਯ

ਘ॥ ਇਯੀਤਿ ਮੈਚਾੜੀ ਮਿ੍ਤੁ ਕਵਲ ਮਘੈੜੀ ਰਪਿਸ੍ਵਰ ਮਕੁਰ ਹੈ ਚਲੈ ਮਿ੍ਤਿ ਰ
ਸੁਚਾੜੀ ਨ ਵਿਜਤਿ॥ ਤਗੀਯੰ ਤੇਣ ਮਸ੍ਵਰਿ ਤਿ ਰ ਠਿ ਨਕੂ ਰ ਮਗ ਠਿ ਮ
ਗਮੁੰਹ ਮੁੰਤੁ ਵੰ ਮਰ ~ ਸਗ ~ ਰਹੈ ਮਿਤਿਪਮਮਿਤਿ॥ ਰਦਸ੍ਰ ਮਸ੍ਵਪਿ॥
ਮਵੇਤੁਲਨ ~ ਪਰਮੈਸ੍ਵਰੰ ਮਦਰਣ ਮਪੈਹ॥ ਤੈਂ ਕੁਰ ਤੁ ਮੰਵੇਮਨਸ੍ਰ ਪੀ
ਤਯਾ ਹਿਤ੍ਰੈ ਮਃ ਰਤੁਃ ਕੇ ਰਪਿ ਮਦਰਣ ਮਿਰ ਦਿਪੀ ॰ ਮਕੂ ਮੁਤੇ ਰਤੁਸ੍ਵ
ਤਕੁੰਤੇਤ॥ ਯਸੁ ਦਤੁੰ ਕੁ ਮਲਮ ਮਿਤੇਤਸ੍ਰਯ ਕਾਲਿ ਕਾਸ੍ਰੈ ਯੈ ਹਿ ਮੁੰਸ੍ਰ॥
ਸਿ੍ਰਵਿਣ ਮਸਰੇ ਯਤੁ ਸੈ ਕ੍ਰਾਪੀ ॰ ਮ॥ ਤਮਿ੍ਰ ਰਤੁਃ ਕਮਨਰਤੁੰ ਤੇ ਨਲੀ
ਤਪੈ ਚਤੁ ਸ੍ਰਮ ਕਾਂ ਮਕਲਣਸੰਰੀ ਮਤੁੰ ਨ ਵਯਾ ਮਓ ਤਿ॥ ਰਪ

ਸ੍ਰੀ:

ਤ੍ਰਸੁਤੰ ਸਭ ਕਰ ਕੰ ਕੈਰ ਸਭ ਸਮਰਥ: ਪ੍ਰ~ਕ: ਪ੍ਰਤਿਪਾਲਿਤ:॥ ਬ੍ਰਹਮਾਦਕ ਪ੍ਰਿਤ
ਥਾ ਵਿਸ੍ਵੇਸਰ॥ ਸ੍ਵਰੂਪ ਜਗਤ ਮਿਥ੍ਯਾ ਭ੍ਰਮ ਸਕਾਰ:॥ ਤਤ ਤਕਾਰ:॥ ਤੋ ਸਕ:
ਕਿੰਸਗੰਕੇ ਨ ਵਿਸ੍ਵੇਸ ਤਤਿਸੇਤ॥ ਤਤ੍ਵੋ॥ ਪਾਤ੍ਰਾਦ੍ਰਿ~ਤ ਕਾਰ ਸਕਾਰ ਸ੍ਵਕ
ਤ੍ਰਯ ਕ੍ਰਸੋ~ ਤਤ੍ਵਾਰ ਤਭ੍ਰ:॥ ਤਦ੍ਵਿਖਿਤ ਸਕ੍ਰਲਦਤ੍ਰਪੰਵਿਗਤੰਬ੍ਰਹਮਤ੍ਰਪੰਪ੍ਰਕ੍ਰ
ਸ੍ਵਰੂਦਸਸਮਲਤ੍ਰ॥ ਤਥਸਕਾਰਤ੍ਰਪਨਦ੍ਰਕਮੂਰਿਨਤ੍ਰਤ੍ਰਦਸਕਾਂਤਸ
ਸਮਲੰਕ੍ਰ ਪਾਧਨਤਿਤ੍ਰਪਮਿਤ੍ਰ ਸਸੋਵਸਯਵ ਲੁਸ੍ਰੋ ਪਯਤ੍ਰਸਤ ਸ੍ਰਦੇਤਵਲ
ਕੁਟ ਕੋਂਰਯਦ~ਰ ਸ੍ਰਸਸਯੇਤਕੰਸਕ੍ਰੋਤ:॥ ਤਸਸ੍ਵਤਮਿਤਿ॥ ਸੈਕਾਂਸੰਸ
ਤੇਦਿ ਤਸ੍ਵਸਤਮਿਤਿ ਕ੍ਰਸੋ~ ਪਕ੍ਰੀਤ੍ਰ ਪ੍ਰਨਤਿਤ੍ਰ ਣਿਧੁ ਸਕ੍ਰਤਯੰਤ੍ਰ

ਸ੍ਰੀ:
੧:

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਸ੍ਰੀ ੫੦

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਿ ਕ੍ਰਪਾਰਿ॥ ਕਤਵੰਲਮੀਰਿਪਬ੍ਰਮਸੀਵਲਾਪਛੁਸ੍ਕਕ੍ਰਾਦ੍ਦਯਸੂਲਤ੍ਰ
ਪਾਲਿ॥ ਮਸ੍ਰਤੇਤੇਖਮਮਵੇਤੇਠਵਤਿ॥ ਮਖੇਨਸੀਖਾਂਪਸਦ੍ਰੂਤਤਿਵਨਿ
ਸਵਵਠਗਵਾਵੇਨਸੀ।ਖੇਨਸੀਤ੍ਰਪੇਠਵਤਿ॥ ਸ੍ਰੁਤੁਦੂਖ~ ਗਗਨਵਯ੍ਰ।ਵੰਦਿਸਿ
ਲਿਲਪਥਵਿਵੀਕ੍ਰਿਯਮਵੇਵੀਦਤਪੇਮਤ੍ਰਕਸ੍ਰਲੇਕਰਾਮਤ੍ਰਪਾ।ਏਖੇਨਸ
ਕੁਲਪਸ੍ਰਖਤ੍ਰਪਮਯਸ੍ਰਕੇਠਵਤਿ॥ ਸੇਵੀਦ੍ਰੋਖਾਤੁ~ ਮਯੀਮਮਮਯਸ੍ਰਾਤੁ
ਯੇਦੂਗਵਗ॥ ਖੇਨਸਵ੍ਰੀਤ੍ਰਪਦ੍ਰੇਰਵਿਛੇ:ਸਜ੍ਰਿਤ੍ਰਪਤ੍ਰੰਸ੍ਰਮਿਤਮ॥ ਤਤਿਵ
ਸਚੜ।ਤਿਰਾਯੁ~ ਯਰਠੇਸੇਰਪਾਮਸਿਵਵਨ੍ਰਵਤੇਖੰਪਰਸ੍ਰੰਮਮਾਸ੍ਰ
ਸ੍ਰਲੈਲੀਨਵੈਸਿਮ੍ਰ~ ਯ੍ਰਮਲੰਮਡੁਡੂਤਤਿਯਾਵਗ॥ ਤਖਮਵੰਦਕ੍ਰਘ:

ਸ੍ਰੀ
੯

मरिङ्गगारेखैवीप्रभृतिभदखैववमतं॥भमदीयस्वाङ्गङ्गेतुमोतुतेविभक्तु
स्तुम॥योदिनरय॥ःभङ्गमसिद्धिःसिद्धिमेतुभम॥ततःप्रहृतिविलोप
तेमुयुक्तुयभिसंभम॥स्वरागीस्वरंकुपुमवंदविदंवपः॥स्वतेंदरो
रिहतं्वठतेधदरेनतभिसि॥मगांविभुमयहुमिलिनिमुतु
गविस्मठगिरीसेवीउमतुतेङ्गतिप्रसृतेहरम॥विकुश्चकुपेवमदमा
यामसिद्धिः।रक्ष्मीरमुंनिकुतहेतस्नुयुमेवस्रीठगावकगावतेश्वभया
वणयसि॥स्वस्निप्रतिभवपुश्चुंभवकभववस्वरीम॥प्रपेपकवलि
रठिस्ववंकभवारप्रमभा॥सभण्यानिजवतिस्कुरदिमसगठवि॥स्वगे

ਤਿਨਹੁ ਕਲੀਤਿ ਦਿਲਾਯ ਵੈਛ ਵੀਤਿਸ ॥ ਕ੍ਰ ਭਟਸਾਣ੍ਹਿ ਕ੍ਰਨ੍ਰ ਛ੍ਰ ਭਣ ਵੀ ਕ੍ਰ

ਟਕੈ ਤਿਸ ॥ ਭਯਰਯਲੀ ਸੈਂਲ ਸਰਸਿਣ ਭਿਕੈ ਤਿਸੈਂ ਤਿ ॥ ਸਭ ਦਿਦਿ

ਸਸ ਛਣ ਛਣ ਤ ਦਿ ॥ ਕ੍ਰਰ ਦਿਵਲ ਸਭ ਕ੍ਰ ਲ੍ਰ ਅਲ੍ਰ ਖੈਨ ਸੀਗ ਭਸੀ ਦਿਖ ਦਿ

ਛ੍ਰ ਦਿ ਦਿ ਕ੍ਰ ਣਧ ਹਕ ਵੈਂ ਯਥ ॥ ਸੰਦਿਤਯੰ ॥ ਦਿਪਰੰਸਛ੍ਰ ਸਰ ਭ੍ਰ ਕੋਵਛ੍ਰਸ

ਛ੍ਰ ਅਸਃ ॥ ਦਿਸਲਯੰਣਵਃ ਸੈਛੁੰ ਰ ਛ੍ਰਸ ਭ੍ਰਤ ਲਾਸ ॥ ਸਛੁ ਰਲ ਕ ਛਲ

ਸਰਃ ਭ੍ਰੰ ਅਲਰਾਪਸ ॥ ਵਿਛੈਂ ਛ੍ਰੈਂ ਤਿਅ ਸਛ ਵ੍ਰੰ ਤਸੇਵ ਦਿ ਵਿਣਧਗ ॥ ਸ

ਟ ਛ੍ਰ ਛੁ ਦਿਤੰ ਛ੍ਰੈਂ ਤਿਸ ਛੈ ਦਿਪਥਗੰਧਰਃ ॥ ਸਛ੍ਰ ਰਲ ਤਯ ਛ੍ਰ ਲਸਰਲ

ਤਿਪ੍ਰ ਕੀ ਤਿਤ ॥ ਰਛਸ ਲ੍ਰ ਸਯਾ ਛ੍ਰ ਲਤਛ ਲਾਸਪ੍ਰ ਕੀ ਤਿਤ ॥ ਤਅ ਲਰ

ਸ੍ਰੀ ੧੩

ਧਯਸੁਲਵਾਸੁਮਤਿਪ੍ਰੀਤਿ॥ਵਲੰਗਉਲੇਂਦਧਾਂਵਉਲੇਵਖਵਕ੍ਲਿਵਿ
ਤੁਮਾਗੀਤੁਮਨਉਸੁਲਪੁਾਂਨਿਵਲੁਮੀਸੁਗਿ॥ਕਦੂਮੁਮਦਗੀਸੁਲਮੇਧਲੁਂ
ਧਾਮਮਾਂਮਸੁਗ॥ਧਕਮੈਵੇਂਸੁਗਸੁਲਧਕੁਮੈਵਪਾਇਯਮ॥ਕਮਦੀਨਦੈਜਿਉ
ਤਹੁਮਮਵਂਣਗਕਿਉ ਤਿ॥ਤ ਤਿਵੇਂਸੁਵੀਮਜਿਮਿਪਰਾਹਮਦਮਯਜਿ
ਦਿਲੁਯ॥ਯਥਵਿਮਸੁਤੁਪ~ਮਵਣਗਹੁਪਿਰੀਤਸਕਮਕਲਵਿਹਦ
ਲੁਤੁਪ~ਪਿਣਗਮਯੀਮਕਲਣਸੁਗਰਸੁਗਤਤਿਪ੍ਰਕਾਤਤੇਂ~ਪਿਕ
ਏਤਯਜੈਮਮਿਤ॥ਸੁਯਂਮਦੇਸੁਗਤਹੁਰਕੇ~ਯੈਗਿਵੀਹਮਯਯਵ॥ਮਿ
ਸਮਤਸੁਹਯਮੁਲਵਿਹਯਪਾਮਸੁਗਿ॥ਣਗਤਸੁਂਯਥਹਾਂਮ੍ਹਮਗਸੁਵਦਿ

ਤ ਪ੍ਰਿਯਾ ॥ ਪਞ੍ਚ ਤ੍ਵਨ੍ਮਯੰ ਵਿਸ੍ਵੰ ਤਨ੍ਮਯੀ ਮਮ ਮਰਤਨੀ ॥ ਤਨ੍ਮਯੀ ਮੂਲ ਵਿਦ੍ਯਾਮਤ
ਘ ਮਾਕੁਘਯਾ ਮਿਤ ॥ ਦਕਾਰ ਤ੍ਵੰ ਮਮ ਮੁਤੰ ਕਕਾਰ ਤੁ ਪਰ ਹ੍ਲ੍ਰਃ ॥ ਐਂਦ ਸਤ੍ਰਿਮ
ਕ੍ਵੰ ਸ੍ਵਰਾਲਤ ਤੁ ਸ੍ਟ ਮਮ ਭ੍ਵਃ ॥ ਲਕਾਰਾਖ੍ਯ ਵਿਵੀਲਤ ਤ ਮ੍ਦ ਭ੍ਵਿਸ੍ਵ ਮਯਸ਼ੀਮਮ
ਤੁ ਮ੍ਰਃ ਪਞ੍ਚ ਦਮਾਯੇਤ ਤ੍ਵਤੰ ਤਨ੍ਮਯੀ ਮਿਵ ॥ ਯਸ੍ਟਯਸ੍ਟਪਦਜਸ੍ਟਯਯਮ
ਭਿਨ ਮੀ ਤਿਤ ॥ ਮਮ ਭਵੇਸ੍ਵਰੀ ਦੇਵੀ ਮਮ ਮਮ ਵੈਭ ਦੇਸ੍ਵਰਃ ॥ ਹ੍ਰੀਂ ਪਞ੍ਚ ਦਮਾਲੋਸ੍ਮ
ਵਿਦ੍ਯਾ ਤ੍ਵਤ ਸ਼੍ਰਤਾ ਸ੍ਥਿਕ ॥ ਪਞ੍ਚ ਤਿ ਸੁਭ ਘ ਧਾਤ੍ਰਿ ਸ੍ਵਤ ਤ੍ਰਿਵ ਪਿਮਾਦਕੈਃ ॥ ਮ੍ਵਰ
ਦੁ: ਹ ਲਿਸ ਕੌ ਸੌਨ ਮਖਤ੍ਰਿੰ ਮਦ੍ਧਕ ਸੇਰੀ ॥ ਮਤ੍ਰਿੰ ਮਦ੍ਧਕ ਸੇਨ ਖਤ੍ਰਿੰ ਮਤਤ੍ਵਤ ਪਿਲੀ ॥
੫੮ ਤਤ੍ਵ ਗੀਤ ਸ੍ਵਕਵਾਮ ਵਿਤੌਯਕ ਵੁਤ ਮਦਤਿ ॥ ਸ੍ਵਯ ਮਤਤ ਦ੍ਦਰਾਜਃ ॥ ਮਿਵ ਮਾਤ੍ਰਿ

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆪𑆠𑆵𑆪𑆩𑆴𑆠𑆴𑆓𑇀𑆮𑆠𑆳𑆁𑆠𑆾𑆫𑆴𑆠𑆼𑆩𑆳 ॥ ॥ ॥ 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑇀𑆪𑆠𑆱𑆴𑆬𑆳𑆠𑆾𑆱𑇀𑆠𑆶
𑆢𑆴𑆠𑆂 𑆠𑆼𑆱𑆶 𑆱𑆶𑆥𑆠𑆩𑆪𑆪𑆼𑆃𑆴𑆪𑆮𑆓 ॥ 𑆱𑆶𑆩𑆢𑇀𑆪𑆼𑆱𑇀𑆮𑆩𑆢𑇀𑆫𑆫𑆴𑆢𑆴𑆮𑆴𑆥𑆴𑆫
𑆩𑆴𑆬𑆴𑆠𑆱𑇀𑆮𑆠𑆓𑆳𑆁𑆢𑆮𑆓𑆳𑆢𑆢𑇀𑆫𑆠𑆱𑇀𑆮𑆳𑆠𑆼𑆫𑆑𑆩𑆢𑇀𑆵𑆫𑆴𑆑𑆮𑆴𑆱𑇀𑆮𑆥𑆱𑆴𑆫𑆮𑆼
𑆥𑆪𑆪𑆫𑆩𑆳 ॥ 𑆱𑆳𑆥𑆼𑆠𑆩𑆢𑆳𑆥𑆂 𑆥𑆑𑆴𑆠𑆮𑆴𑆩𑆬𑆩𑆁𑆓𑆬𑆥𑆪𑆂 𑆥𑆫
𑆪𑆱𑇀𑆮𑆵